Maple EDUCATION

ANSWER KEY

सामान्य ज्ञान एवं नैतिक शिक्षा

Class
1 To 8

Written By :
Anuja Arora

PURPLE STROKE

© All Rights Reserved Information contained in this book has been published by MAPLE EDUCATION (A UNIT OF PARI PUBLICATION) has been obtained by its authors from sources believed to be reliable and are correct to the best of the knowledge. However, the publisher and its authors shall in no event be liable for any errors, omissions or damages arising out of use of this information and specifically disclaim any implied warranties or merchantability or fitness for any particular use.
Warm Welcome for your suggestions and guidelines to improve the book for bright educational INDIA.

Quality Books For Better Education

PARI

PUBLICATION

A HOUSE OF CHILDREN BOOKS

Today A Reader...
Tomorrow A Leader.

Selection Book House

LEADING PUBLISHERS OF CHILDREN BOOKS

E-mail : pari_publication@yahoo.com

सामान्य ज्ञान एवं नैतिक शिक्षा

कक्षा - 1

अध्याय- 1 प्रार्थना

मौखिक अभ्यास – 1. कविता में दोस्त ईश्वर को कहा गया है। 2. दया की दृष्टि बनाए रखने की प्रार्थना की गई है। 3. जो खिल नहीं सकता। **(क)** 1. इस कविता में 'हम' शब्द बच्चों के लिए प्रयोग हुआ है। 2. इस कविता में ईश्वर को माता, पिता, बन्धु तथा सखा बताया गया है। 3. इस कविता में भगवान से सदा सत्य की राह दिखाने की प्रार्थना की गयी है। 4. इस कविता में प्रार्थना की गई है कि - हे ईश्वर, तुम्हीं हमारे माता, पिता, बन्धु, सखा, साथी एवं सहारा हो। तुम्हारे अलावा हमारा कोई भी नहीं है। हम तो वो फूल हैं जो खिल नहीं पाएँ हैं। हम तो तुम्हारे चरणों की धूल हैं। हे ईश्वर, आप हमें हमेशा सत्य की राह दिखाना। **हॉट प्रश्न –** 1. कवि ने स्वयं को ईश्वर के चरणों की धूल कहा है। **(ख)** 1. ग 2. अ 3. ब **(ग)**1. अपना 2. धूल 3. खिल। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)।

अध्याय- 2 कभी नहीं करना

मौखिक अभ्यास – 1. समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। 2. नाखून दाँतों से नहीं काटने चाहिए। 3. काम से जी नहीं चुराना चाहिए। **(क)** 1. सड़क पर कभी-भी नहीं खेलना चाहिए क्योंकि इससे दुर्घटना होने का भय रहता है। 2. दूसरों के साथ कभी-भी ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए जो कि हम अपने लिए नहीं चाहते हैं। 3. केले के छिलके को बीच सड़क पर नहीं फेंकना चाहिए। 4. लाल बत्ती होने पर सड़क पार नहीं करनी चाहिए। 5. मुसीबत के समय हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. कमजोर, छोटो व बुजुर्गो को कभी नहीं सताना चाहिए। **(ख)** 1. क 2. ख 3. क **(ग)** 1. चोरी 2. समय 3. नष्ट 4. गन्दा 5. नाखून। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 3 गाँधीजी के तीन बन्दर

मौखिक अभ्यास – 1. उपहार देने वाला सज्जन जापान का था। 2. गाँधीजी को प्यार से बापू कहते है। 3. गाँधीजी ने अच्छी बातों का पालन जीवनभर किया। **(क)** 1. हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी हैं। 2. गाँधीजी को जापानी सज्जन ने मिट्टी के तीन बन्दर उपहार स्वरूप दिये। 3. गाँधीजी के पहले बन्दर से शिक्षा मिलती है कि 'बुरा मत देखो' अर्थात् बुराई की ओर ध्यान नहीं देना चाहिए। 4. गाँधीजी का दूसरा बन्दर हमें सिखा रहा है कि - 'बुरा मत बोलो' अर्थात् हमें कभी-भी बुरी या कड़वी बातें नहीं बोलनी चाहिए। 5. तीसरे बन्दर से हमें शिक्षा मिलती है कि- 'बुरा मत सुनो' अर्थात् हमें बुरी बातें नहीं सुननी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. गाँधीजी ने हमें सदैव तीन बुराईयों (बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो) से बचने की शिक्षा दी। **(ख)** 1. क 2. ग 3. ग **(ग)** 1. उपहार 2. कड़वी 3. पाप। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) ।

अध्याय- 4 सदैव बड़ों की बात मानें

(क) 1. मेमने को हरी-हरी घास पर फुदक-फुदक कर इधर-उधर घूमने में बड़ा मजा आ रहा था। 2. मेमने पर भेड़िये की नजर पड़ी। 3. भेड़िया तीन दिनों से भूखा था। 4. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव अपने बड़ों की बात माननी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. भेड़िये ने मेमने को देखकर सोचा कि आज तो बहुत अच्छा शिकार मिला है। आज मैं पेट भरकर खाना खाऊँगा। 2. भेड़िए ने मेमने को धर दबोचा और उसे मार कर खा लिया। **(ख)** 1. क 2. ग **(ग)** 1. शैतान 2. जंगल 3. मिमियाने 4. मारकर। (घ) 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) ।

अध्याय- 5 एकता में शक्ति

मौखिक अभ्यास – 1. किसान को बीमार पड़ने से अनुभव हुआ कि 'अब उसका अंतिम समय आ गया है।, अब वह नहीं बचेगा।' 2. सब लड़कों से किसान ने एक-एक लकड़ी लेने को कहा। 3. लड़कों ने गट्ठर को तोड़ने के लिए जी-तोड़ मेहनत की। **(क)** 1. वृद्ध किसान के चार लड़के थे। 2. किसान को मरने से पहले चिन्ता सता रही थी कि उसके मरने के बाद अगर उसके लड़के आपस में लड़कर अलग हो जायेंगे तो उसका परिवार बिखर जायेगा। 3. किसान ने अपने लड़कों को अपने साथ एक लकड़ी का गट्ठर लाने को कहा। 4. वृद्ध किसान ने अपने लड़कों को एक-एक लकड़ी लेकर तोड़ने के लिए कहा। 5. इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें आपस में मिल-जुल कर रहना चाहिए, क्योंकि एकता में बहुत शक्ति होती है। **हॉट प्रश्न –** 1. वृद्ध किसान के दिमाग में लड़कों को समझाने का एक उपाय सूझा। उसने अपने चारों लड़कों को बुलाकर उनसे एक लकड़ी का गट्ठर लाने को कहा। किसान का अपने लड़को को यह समझाने का उद्देश्य था कि एकता में बहुत शक्ति होती है। **(ख)** 1. क 2. ग 3. क **(ग)** 1. फसल 2. आराम-चैन 3. गट्ठर 4. मिल-जुल 5. एकता **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 6 वृक्ष ही जीवन है

मौखिक अभ्यास – 1. घर में जलाने की लकड़ी खत्म हो गई थी। 2. शम्भू ने पानी पीकर लकड़ी काटकर लाने के लिए कहा। **(क)** 1. शम्भू के घर लौटने पर उसकी पत्नी ने उससे कहा- ''घर में जलाने की लकड़ी खत्म हो गई है और बच्चों को बहुत तेज भूख लगी हैं।'' 2. कुल्हाड़ी लेकर शम्भू जंगल की ओर गया और एक बड़ी-सी टहनी को काट डाला। 3. टहनी ने शम्भू से पूछा कि- ''तुमने मुझे क्यों काटा? मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है ?'' 4. पेड़ पर्यावरण में फैली प्रदूषित वायु के सारे विष को पीकर लोगों को साँस लेने के लिए स्वच्छ वायु देते हैं, इस प्रकार पेड़ पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं। 5. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें हरे-भरे वृक्ष कभी नहीं काटने चाहिए, क्योंकि प्रदूषण से मुक्ति दिलाने में वृक्ष हमारे सबसे बड़े सहायक हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. टहनी ने शम्भू को समझाया कि मैं तो तुम सब लोगों को फल-फूल और छाया देता हूँ। संसार के तुम सब लोग जो इतना प्रदूषण फैलाते हो, उस प्रदूषित वायु के सारे विष को पीकर वायु को स्वच्छ रखता हूँ। 2. शम्भू को अपनी गलती का एहसास हो गया था। उसने पेड़ से कहा, 'वृक्ष भाई मुझे

क्षमा कर दों। पेड़-पौधे तो सचमुच ही हमारा जीवन है। मैं अब कभी पेड़ नहीं काटुँगा। **(ख)** 1. क 2. क 3. ग **(ग)** 1. हरे-भरे 2. कुल्हाड़ी 3. टहनी 4. सच्चे मित्र 5. प्रदूषण। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 7 कभी झूठ न बोलो

(क) 1. भोलू को शैतानी सूझी कि गाँव वालों को मूर्ख बनाया जाए। 2. तीसरी बार भोलू के चिल्लाने पर कोई भी उसकी मदद के लिए नहीं गया क्योंकि भोलू के बार-बार झूठ बोलने के कारण सबका उस पर से विश्वास उठ गया था। 3. झूठ बोलने के कारण भेड़िया भोलू की दो भेड़ों को मारकर खा गया। झूठ बोलने का उसको बुरा फल मिला। 4. इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी-भी झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि झूठे लोग अगर सच भी बोलते हैं, तो लोग उन पर विश्वास नहीं करते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. भोलू ने जोर-जोर से चिल्लाकर गाँव वालों को इकट्ठा कर लिया कि भेड़िया आया है। लेकिन जब गाँव वाले जंगल की ओर आए तो उसने झूठ बोल दिया कि वह भाग गया। इस तरह भोलू ने गाँव वालों को दो बार मूर्ख बनाया। **(ख)** 1. क 2. ख **(ग)** 1. चरवाहा 2. झूठ 3. मूर्ख 4. मदद। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓)।

अध्याय- 8 जाको राखै साइयाँ मार सकै न कोय

मौखिक अभ्यास – 1. सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहा था। 2. घायल हंस के शरीर में तीर लगा हुआ था। **(क)** 1. सिद्धार्थ बहुत ही दयालु स्वभाव का था। 2. बगीचे में टहलते समय सिद्धार्थ के सामने एक घायल हंस आकर गिरा। 3. दोनों राजकुमारों की लड़ाई सुनकर राजा ने अपना फैसला सुनाया कि- ''हंस देवदत्त के तीर से घायल अवश्य हुआ, पर उसे बचाया सिद्धार्थ ने। इसलिए हंस सिद्धार्थ का है। क्योंकि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है।'' 4. आगे चलकर सिद्धार्थ गौतम बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें जीव हत्या नहीं करनी चाहिए बल्कि प्राणी मात्र से प्रेम करना चाहिए। बेसहारा और घायल जीव-जन्तुओं पर दया करनी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. सिद्धार्थ ने घायल हंस के शरीर से तीर बाहर निकाला और उसके घाव को धोकर उस पर लेप लगाया और उसे पानी पिलाया। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** 1. दयालु 2. घायल 3. कहा-सुनी 4. तीर 5. जीव-हत्या। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗)।

अध्याय- 9 कभी भी ज्ञान का अहंकार मत करो

(क) 1. पण्डित जी को अपने ज्ञान का बहुत घमण्ड था। 2. पण्डित जी ने नाविक से पूछा कि ''तुम कहाँ तक पढ़े-लिखे हो?'' 3. नाविक ने पण्डित जी से पूछा कि- '' क्या आपको तैरना आता है?'' 4. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी अपने ज्ञान पर घमण्ड नहीं करना चाहिए और किसी के भी ज्ञान को अपने से कम समझकर उसका मजाक नहीं बनाना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. नाविक को पहले दूसरे की जान बचाना और फिर अपनी चिन्ता करने का और तैरने का भी व्यवहारिक ज्ञान था। और यह ज्ञान किताबी ज्ञान पर इसलिए भारी पड़ा कि पंडित को तैरना नहीं आता था और नाविक तैरना भी जानता था और स्वयं से पहले दूसरे की जान बचाने की भावना भी उसके मन में थी। **(ख)** 1. भाषाओं 2. डींगें 3. घमण्ड। **(ग)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)।

अध्याय – 1 हमारा शरीर

1. सिर 2. कान 3. हथेली 4. आँख 5. नाक 6. कन्धा 7. पेट 8. जाँघ 9. पंजा 10. बाल 11. गाल 12. होंठ 13. गर्दन 14. छाती 15. हथेली 16. ऊँगली 17. घुटना 18. टाँग 19. एड़ी

अध्याय – 2 फल और सब्जियाँ

1. लीची 2. केला 3. संतरा 4. अंगूर 5. भिंडी 6. शलगम 7. बैंगन 8. नाशपाती 9. टमाटर 10. फुलगोभी 11. आम 12. तरबूज

अध्याय – 3 वाहन

1. जीप 2. स्कूटर 3. वायुयान 4. रेलगाड़ी 5. ट्रक 6. मोटर साइकिल 7. ताँगा 8. ऑटो-रिक्शा 9. बस 10. साइकिल 11. वेन 12. कार

अध्याय – 4 हमारे खेल

1. टेबल-टेनिस 2. कैरम 3. क्रिकेट 4. फुटबॉल 5. शतरंज 6. लूडो 7. बॉलीबाल 8. कबड्डी 9. हॉकी

अध्याय – 5 हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी

1. महात्मा गाँधी 2. चन्द्र शेखर आजाद 3. बी.आर.अम्बेड़कर 4. भगत सिंह 5. सुभाष चंद्र बोस 6. बाल गंगाधर तिलक 7. लाला लाजपत राय 8. जवाहर लाल नेहरू 9. डा. राजेन्द्र प्रसाद।

अध्याय – 6 प्रमुख त्योहार

1. होली 2. दीपावली 3. क्रिसमस 4. ईद।

अध्याय – 7 जन्तुओं के घर

छात्र स्वयं करें

अध्याय – 8 ऐतिहासिक स्थल

ताजमहल, गेट वे ऑफ इन्डिया, कुतुब मीनार, जामा मस्जिद, इंडिया गेट

खाली स्थान – 1. आगरा 2. दिल्ली 3. नई दिल्ली 4. मुम्बई 5. नई दिल्ली।

अध्याय – 9 हमारा घर

1. (2) स्नानागार 2. (8) लॉन 3. (6) भोजन कक्ष 4. (5) बरामदा 5. (4) शौचालय 6. (7) स्टोर 7. (3) रसोईघर 8. (1) बैठक।

अध्याय – 10 हमारे सहयोगी

1. बढ़ई 2. धोबी 3. डॉक्टर 4. माली 5. पोस्टमैन 6. दर्जी 7. किसान 8. सैनिक 9. मोची 10. नाई 11. कुली 12. मेहत्तर।

अध्याय – 11 पूजा स्थल

1. मन्दिर 2. गुरुद्वारा 3. मस्जिद 4. गिरजाघर (चर्च)

प्रश्न-उत्तर – 1. मंदिर 2. गिरजाघर (चर्च) 3. मस्जिद 4. गुरुद्वारा

अध्याय – 12 आवश्यक घरेलू उपकरण

1. मिक्सर-ग्राइंडर 2. फ्रिज 3. सिलाई-मशीन 4. कूलर 5. टेलीफोन 6. गीजर 7. हीटर 8. टेलीविजन 9. इस्तरी

अध्याय – 13 प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक

1. अमृतसर 2. आगरा 3. दिल्ली 4. जयपुर 5. नई दिल्ली 6. जयपुर 7. हैदराबाद 8. दिल्ली 9. मुम्बई 10. दिल्ली 11. कोलकात्ता 12. दिल्ली।

अध्याय – 14 समय का ज्ञान

1. 4:30 2. 7:30 3. 12:15 4. 9:30

निम्न कथनों को पूरा करो – 1. दो 2. घंटे 3. मिनट 4. 24 5. 60 6. 60

अध्याय – 15 अन्तर बताओ

1. आम की जगह कुत्ता है। 2. बॉल नहीं है। 3. झोपड़ी की जगह पेड़ है। 4. पेड़ की जगह झोपड़ी है। 5. फूल का रंग अलग है। 6. चिड़िया उड़ रही है। 7. किताबें गायब है। 8. पहाड़ों की डिजायन अलग है।

अध्याय – 16 ज्ञान बढ़ाओ

1. स 2. ब 3. अ 4. अ 5. ब 6. अ 7. अ 8. स 9. ब 10. स 11. स 12. अ

कक्षा - 2

अध्याय- 1 स्तुति गान

मौखिक अभ्यास – 1. बच्चे भगवान से वरदान माँगते हैं। 2. बच्चे भगवान से माता-पिता और गुरु की आज्ञा मानने की स्तुति करते हैं? 3. हम सभी का रोग-दोष हर लें। इस तरह की प्रार्थना बच्चे ईश्वर से करते हैं। **(क)** 1. हमारे माता-पिता भगवान के समान हैं। 2. प्रार्थना में बच्चों को नादान बताया गया है। 3. हमें सदा सबके साथ प्रेम से रहना चाहिए। 4. दीनों के लिए हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि भगवान दीनों के दुःख दूर करें। 5. हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं क्योंकि ईश्वर हमें अच्छा बनाएँ तथा हमारे सारे संकट दूर करें। **हॉट प्रश्न –** 1. बच्चे भगवान से प्रार्थना में कहते हैं कि भगवान तुम ही हमारे माता-पिता हो तुम हमारे सारे पापों को दूर कर दो। 2. बच्चे भगवान से दीनों के दुःखों को दूर करने के लिए कहते है। 3. बच्चे भगवान से माता, पिता तथा गुरु को परमेश्वर सा जानने की प्रार्थना करते है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ग **(ग)** 1. बच्चे 2. माता-पिता 3. तन-मन 4. लड़ाई 5. प्रेम। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 2 गुरु भक्त आरुणि

मौखिक अभ्यास – 1. गुरुजी अपने शिष्यों को अच्छी-अच्छी व ज्ञानवर्द्धक बातें सिखाते हैं। 2. गुरुजी ने आरुणि से कहा – बेटा जाकर खेत की मेड़ ठीक कर दो अन्यथा बरसात के पानी के साथ खेत की सारी उपजाऊ मिट्टी बह जाएगी। 3. आरुणि स्वयं ही टूटी मेड़ के स्थान पर लेट गया। इससे मेड़ से बहता पानी रुक गया। **(क)** 1. आरुणि बहुत ही आज्ञाकारी विद्यार्थी था। 2. आरुणि गुरुजी की आज्ञा से खेत की मेड़ ठीक करने गया। 3. खेत पर पहुँचकर गुरुजी ने आरुणि को टूटी हुई मेड़ पर लेटा हुआ देखा। 4. पानी का बहाव न रूकने पर वह स्वयं ही मेड़ पर लेट गया। 5. शाम होने पर सारे विद्यार्थियों के आ जाने के बाद भी जब आरुणि आश्रम नहीं लौटा, तब गुरुजी खेत पर गए। **हॉट प्रश्न –** 1. आरुणि के मन में गुरुजी के प्रति अपार श्रद्धा व आदर का भाव था। 2. आरुणि खेत में धान की फसल के लिए पानी रोकने गया। 3. जब गुरुजी को पता चला कि शाम तक आरुणि खेत से नहीं लौटा है। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. घ **(ग)** 1. गुरुभक्त 2. प्रिय 3. बहता 4. मेड़ 5. मिट्टी। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 3 मेहनत का फल मीठा

मौखिक अभ्यास – 1. किसान मेहनत से अपने खेत में खूब अनाज उगाता था। 2. किसान के तीनों ही लड़के आलसी थे। 3. किसान के पुत्रों ने खेत से सोना निकालने के लिए खुदाई की। **(क)** 1. किसान अपने लड़कों को समझाता था कि- ''अब तुम बड़े हो चुके हो, कुछ काम करो। आलस्य को त्यागो।'' 2. किसान के तीन पुत्र थे। 3. नहीं, किसान ने अपने पुत्रों से झूठ नहीं बोला था। 4. किसान के लड़कों ने खेत में दबा सोना निकालने के लिए खेत खोदा। 5. खेतों में अनाज रूपी सोना निकला। **हॉट प्रश्न –** 1. क्योंकि इलाज करवाने से भी उसकी बीमारी ठीक नहीं हो रही थी। 2. किसान अपने लड़कों को मेहनती बनाना चाहता था इसलिए किसान ने अपने लड़को से खेत में सोना दबा होने की बात कही। 3. क्योंकि खेत की खुदाई करने के बाद जब उन्हें सोना नहीं मिला तो उन्होने उसमें फसल बो दी। उससे खूब अनाज पैदा हुआ जिससे वे मालामाल हो गए। **(ख)** 1. क 2. क 3. क **(ग)** 1. तीन 2. काम 3. बीमार 4. परिश्रम 5. गेहूँ। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 4 भलाई का बदला भलाई

मौखिक अभ्यास – 1. शेर पेड़ के नीचे सुस्ताने के लिए बैठ गया। 2. चुहिया ने शेर से प्रार्थना की कि ''महाराज मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। कृपया मुझे क्षमा कर दीजिए।'' 3. शेर की दहाड़ सुनकर चुहिया समझ गई कि शेर जरुर किसी मुसीबत में है। **(क)** 1. चुहिया की उछल-कूद के कारण शेर की नींद टूट गई, इसलिए शेर को क्रोध आया। 2. चुहिया ने शेर से प्रार्थना की कि- ''महाराज मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। कृपया मुझे क्षमा कर दीजिए।'' 3. शेर को चुहिया की बात सुनकर हँसी आई कि- यह छोटी-सी चुहिया मेरी क्या मदद करेगी? 4. जब शेर जाल में फँस गया, तब अपने साथियों की मदद से चुहिया ने अपने दाँतों से शेर का जाल कुतर डाला और उसे आजाद करा दिया। इस प्रकार चुहिया ने शेर के उपकार का बदला चुकाया। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए। सदैव दूसरों की भलाई करनी चाहिए। कभी किसी से कोई गलती हो जाए तो उसे क्षमा कर देना चाहिए। 6. शेर, शिकारी के बिछाये जाल में फँस गया था। 7. शेर जाल में फँसने के बाद जोर-जोर से दहाड़ने लगा। **हॉट प्रश्न –** 1. शेर को पेड़ के नीचे नींद आ गई। 2. चुहिया द्वारा शेर पर उछल-कूद मचाने से शेर की नींद टूट गई। 3. शेर को मुसीबत में देखकर चुहिया और उसके साथियों ने शेर का जाल कुतर डाला और उसे आजाद कर दिया। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** 1. घूमते-घूमते 2. उछल-कूद, नींद 3. पंजे 4. जंगल, शिकारी 5. छोटा 6. आजाद। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 5 शिकारी और हिरण

मौखिक अभ्यास – 1. जंगल में हिरन, कौआ और चूहा रहते थे। 2. कौआ चूहे को बुलाकर लाया। 3. चूहे ने अपने तेज दाँतों से जाल कुतर कर अपने मित्र को छुड़ाया। **(क)** 1. एक हिरण, कौआ और चूहा, ये तीन मित्र थे। 2. शिकारी के बिछाये जाल में हिरण फँस गया। 3. हिरण को जाल में फँसा हुआ कौआ ने देखा। 4. जाल को चूहे ने काटा। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें मुसीबत के समय अपने मित्रों की सदैव सहायता करनी चाहिए। क्योंकि जो मित्र मुसीबत के समय साथ देते हैं, वे ही सच्चे मित्र होते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. अच्छे मित्र कभी अपने मित्र को मुसीबत के समय अकेला नहीं छोड़ते। 2. जाल में फँसने पर हिरन ने जाल से निकलने की बहुत कोशिश की परंतु वह सफल नहीं हुआ। 3. शिकारी हाथ मलता रह गया क्योंकि कौए ने काँव-काँव करके अपने मित्रों को सर्तक कर दिया। चूहा और हिरन वहाँ से तेजी से भाग गए। **(ख)** 1. ख 2. ख

3. क **(ग)** 1. कौआ, हिरण, चूहा 2. हिरण, मन 3. जाल 4. दाँतों 5. मुसीबत, सच्चे मित्र। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 6 सोच समझकर बोलो

मौखिक अभ्यास – 1. कछुआ और हंस दोनों घनिष्ठ मित्र थे। 2. मछुआरों ने तय किया कि कल इस तालाब में जाल डालेंगे। 3. कछुए ने अपने मित्रों को आश्वासन दिया कि ''मैं कुछ नहीं बोलूँगा। बिल्कुल चुप रहुँगा।'' **(क)** 1. क्योंकि तालाब में मछुआरे जाल डालने वाले थे। इसलिए हंस तालाब छोड़ना चाहते थे। 2. दोनों हंसों ने लकड़ी का एक-एक सिरा अपनी चोंच में दबाया और कछुए ने लकड़ी को बीच में से कसके अपने मुँह से पकड़ लिया। इस प्रकार हंस कछुए को उड़ा कर ले जा रहे थे। 3. बच्चों की बात सुनकर कछुए को क्रोध आया। 4. नहीं, कछुआ दूसरे तालाब पर नहीं पहुँच सका। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव सोच-समझकर ही बोलना चाहिए और मित्रों की सलाह माननी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. मछुआरों ने तालाब में जाल डालने के लिए तय इसलिए किया क्योंकि तालाब में बहुत सारी मछलियाँ थी। 2. कछुएँ को ले जाने का उपाय हँस के दिमाग में आया। 3. मुँह खोलते ही कछुआ नीचे गिर गया और मर गया। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. ग **(ग)** 1. बोलता 2. मछुआरे, किनारे 3. हंस 4. गुस्सा 5. सोच-समझ। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 7 पहले सोचो फिर करो

मौखिक अभ्यास – 1. सेठ का नाम सेठ करोड़ीमल था। 2. उसने अपने पुत्रों को 10-10 रुपये दिए। 3. करण ने भूसा खरीदा। **(क)** 1. व्यापारी ने अपने पुत्रों को 10-10 रुपये दिए। 2. करण ने बाजार से भूसे से भरी गाड़ी खरीदी। 3. नहीं, अर्जुन सीधा बाजार नहीं गया। 4. अर्जुन ने बाजार से मोमबत्ती का पैकेट खरीदा। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें कोई भी काम करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। हर काम सोच-समझकर करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. व्यापारी ने यह तय किया वह अपना सारा धन दोनों बेटों में न बाँटकर उसको देगा जो ज्यादा अक्लमंद होगा। 2. व्यापारी ने अपने पुत्रों को 10-10 रुपये देकर कहा कि इन रुपयों से कोई ऐसी वस्तु खरीद कर लाओ जिससे सारा कमरा भर जाए। 3. अर्जुन ने 10 रुपये की मोमबत्तियाँ खरीदी और उनको पूरे घर में जला दिया। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** 1. धन 2. परेशान 3. बाजार 4. परीक्षा 5. सोच-समझकर। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 8 बुद्धिबल

मौखिक अभ्यास – 1. धनवान किसान के पाँच बेटे थे। 2. किसान के पास पाँच खेत थे। 3. एक दुबले-पतले पढ़े-लिखे युवक ने। **(क)** 1. किसान अपने बेटों की हरकतों से बहुत परेशान रहता था। 2. किसान ने मरने से पहले वसीयत में लिखा था कि- उनके 19 घोड़ों में से आधे घोड़े उनके बेटे आपस में बराबर बाँट लें। एक चौथाई घोड़े उनके घर के नौकर को दे दें, क्योंकि उसने दिन-रात निःस्वार्थ भाव से मेरी सेवा की है। घोड़ों का पाँचवा हिस्सा दान कर दिया जाए। 3. समस्या का हल करने के लिए किसान के पुत्रों ने पंचायत बुलवाई। 4. समस्या का हल पढ़े-लिखे एक दुबले-पतले आदमी ने किया। 5. समस्या का हल करने वाले आदमी ने किसान के लड़कों से पूछा कि- ''बताओ, अक्ल बड़ी या भैंस?'' **हॉट प्रश्न –** 1. किसान अपने बेटों की हरकतों से बहुत परेशान रहता था। 2. किसान के पुत्र घोड़ों का वसीयत के अनुसार बँटवारा कराने के लिए पंचायत के पास गए। 3. कहानी के अनुसार बुद्धि का बल बड़ा निकला। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** 1. अक्लमंद, चतुर 2. ताकत 3. परेशान 4. मति 5. बुद्धिबल। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)।

कक्षा - 3

अध्याय- 1 ईश्वर तेरे नाम अनेक !

मौखिक अभ्यास – 1. ईश्वर के अनेक नाम हैं। 2. मिट्टी से अणु-परमाणु बना। 3. ईश्वर के बारे में बताकर गुरुदेव ने हम पर पूर्ण दया की है। **(क)** 1. ईश्वर के अनेक नाम बताए गए हैं। 2. ईश्वर सागर से बादल बनकर उठता है। 3. बादलों से ईश्वर जल, नहर एवं गहरी नदियों के रूप में बाहर आता है। 4. मिट्टी से अणु-परमाणु बन ईश्वर ने दिव्य-जगत का रूप धारण किया। 5. इस प्रार्थना के रचयिता 'तुकड़ो जी महाराज'' हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. सागर से उठकर बादल बना। 2. नहर, नदियाँ बादल के जल से बनीं। 3. अणु-परमाणु मिट्टी से बने। **(ख)** 1. घ 2. घ 3. घ **(ग)** 1. अनेक 2. अणु-परमाणु 3. पर्वत-वृक्ष 4. तुकड़या। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗)।

अध्याय- 2 आलसी मौजीराम

मौखिक अभ्यास – 1. मौजीराम गरीब किसान था। 2. मौजीराम अपने बेटे की बात सुनकर शर्मिंदा हुआ क्योंकि किशन ने कहा ईश्वर हर जगह विद्यमान होता है। 3. मौजीराम ने चोरी करना छोड़ दिया। **(क)** 1. मौजीराम बहुत ही आलसी और कामचोर इंसान था। 2. मौजीराम दूसरे के खेतों में से फसल चुराकर, अपना जीवन-यापन करता था। 3. मौजीराम के बेटे का नाम किशन था। 4. बेटे की बात सुनकर मौजीराम बहुत शर्मिन्दा हुआ और उसने चोरी करना छोड़ दिया। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी कोई गलत काम नहीं करना चाहिए, क्योंकि ईश्वर सब जगह उपस्थित रहता है और वह हमारे हर अच्छे-बुरे कार्यों पर नजर रखता है। **हॉट प्रश्न –** 1. मौजीराम अपने बेटे को मटर के खेत पर ले गया। 2. किशन ने मौजीराम से कहा – ''ईश्वर हमें देख रहा है, पिताजी।'' 3. किशन की बात सुनकर मौजीराम बहुत ज्यादा शर्मिंदा हुआ और उसने चोरी करनी छोड़ दी। **(ख)** 1. क 2. ग 3. क **(ग)** 1. मौजीराम 2. आलसी 3. समझदार, होशियार 4. शर्मिन्दा 5. विद्यमान। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 3 लालची मत बनो

मौखिक अभ्यास – 1. शेर को जमीन पर सोने का कंगन मिला। 2. शेर चेहरे पर राख और माथे पर तिलक लगाकर हाथ में मोतियों की माला और कमण्डल लेकर पेड़ के नीचे बैठ गया। 3. ब्राह्मण के मन में सोने का कंगन देखकर लोभ आ गया। **(क)** 1. शेर बूढ़ा हो गया था। उसमें शिकार करने की शक्ति नहीं रह गई थी। इसलिए शेर को बहुत-बहुत दिनों तक भूखा रहना पड़ता था। 2. एक दिन शेर को जंगल में सोने का कंगन मिला। 3. शेर ने तपस्वी बनने का नाटक किया। 4. शेर ने सबसे पहले गरीब ब्राह्मण को अपना शिकार बनाया। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी लालच नहीं करना चाहिए, क्योंकि लालच में आकर गरीब ब्राह्मण को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इसलिए कहते है कि 'लालच बुरी बला है।'' **हॉट प्रश्न –** 1. शेर

ने अपने चेहरे पर राख लगा ली और माथे पर तिलक लगा लिया। 2. शेर ने ब्राह्मण से नम्र होकर कहा – डरो नहीं गरीब ब्राह्मण। मैंने अब तक बहुत पाप किए हैं। मैं अपनी जवानी में बहुत अत्याचारी था किन्तु अब मैं अपने पापों का प्रायश्चित करना चाहता हूँ। 3. शेर ने ब्राह्मण को धर दबोचा और उसे मारकर खा लिया। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ख **(ग)** 1. शिकार, शक्ति 2. सोने का कंगन 3. शेर, तपस्या 4. निर्दयता 5. पापों, प्रायश्चित। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 4 अभ्यास का महत्व

मौखिक अभ्यास – 1. पहले प्यार से समझाते फिर न समझने पर ही सजा देते थे। 2. कोई सबक याद न कर पाने के कारण उस शिष्य को रोज सजा मिलती थी। 3. रास्ते में भूख लगने पर उसने चने खाये और पानी पीया। **(क)** 1. गुरूजी अपने सभी शिष्यों के साथ बहुत प्रेमपूर्वक रहते थे। 2. गुरूजी अपने एक शिष्य को रोज सजा देते थे, क्योंकि उसको गुरूजी का पढ़ाया हुआ कोई भी सबक, कोई भी शिक्षा कभी-भी याद नहीं रहती थी। 3. गुरूजी ने एक दिन शिष्य को बुलाकर कहा कि- ''अब तुम अपने घर जाओ और अपने पिता का काम-काज करने में उनकी मदद करो। भगवान तुम्हारी सहायता करेंगे।'' 4. शिष्य चने खाने के लिए एक कुएँ के पास रुका। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सदैव प्रयास करते रहने से कठिन-से कठिन काम भी आसान हो जाते हैं। कड़ी मेहनत और बार-बार का अभ्यास कठिन को भी सरल बना देता है। इसलिए हमें कभी ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि मैं ये काम नहीं कर सकता हूँ, बल्कि उसको करने के लिए सदैव प्रयास करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. गुरुजी ने एक दिन अपने कमजोर शिष्य को बुलाकर कहा, ''बेटा मैं यह चाहता था कि तुम पढ़-लिखकर बड़े विद्वान बनों पर इसके लिए तुम कोई प्रयास ही नहीं करते। 2. पानी पीते हुए शिष्य की नजर कुएँ के पत्थर पर पड़ी, जिस पर गहरे-गहरे निशान थे। 3. उसने निश्चय किया किया कि मैं भी बार-बार अपना पाठ याद करकें उसे अपने मस्तिष्क में क्यों नहीं अंकित कर सकता। **(ख)** 1. क 2. क 3. ग **(ग)** 1. आदर 2. प्रेमपूर्वक 3. चने 4. दृढ़ निश्चय, अनुमति 5. प्रयास, कठिन से कठिन। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 5 संगति-प्रभाव

मौखिक अभ्यास – 1. बहेलिया तोते बेच रहा था। 2. पहले तोते ने संस्कृत भाषा में श्लोक सुनाया। 3. दूसरे तोते ने राजा को गन्दी-गन्दी गालियाँ बकना शुरु कर दिया। **(क)** 1. विक्रमादित्य उज्जैन के राजा थे। 2. राजा ने मंत्री को तोते खरीदने का आदेश दिया। 3. दूसरे तोते ने राजा को गन्दी-गन्दी गालियाँ देना शुरू कर दिया, इसलिए राजा को उस पर गुस्सा आया। 4. पहले तोते का लालन-पालन ऋषि-मुनियों के आश्रम में हुआ। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव अच्छी संगत में रहना चाहिए। कभी-भी गलत संगति नहीं करनी चाहिए। दुष्टों की संगति में रहने से हमारे विचार भी उनके जैसे हो जाते हैं और सज्जनों की संगति में सज्जनों जैसे। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा ने मंत्री को तोते खरीदने का आदेश दिया। 2. क्योंकि वह राजा को गंदी गालियाँ दे रहा था। 3. पहले तोते का लालन-पालन ऋषि-मुनियों के आश्रम में हुआ था। **(ख)** 1. क 2. क 3. घ **(ग)** 1. विक्रमादित्य 2. प्रणाम 3. प्रार्थना 4. आदतें, आचरण 5. संगत। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 6 कृतज्ञता

मौखिक अभ्यास – 1. लकड़हारा जंगल में लकड़ी काट रहा था। 2. लकड़हारे ने शेर के पंजे में से काँटा निकाल दिया। 3. चोरो ने चुराया हुआ धन चुपचाप लकड़हारे के घर में रख दिया। **(क)** 1. शेर के दहाड़ने की आवाज सुनकर, लकड़हारा डर गया और उसके हाथ से कुल्हाड़ी नीचे गिर गई। 2. शेर के पैर में एक बहुत बड़ा काँटा चुभा हुआ था, इसलिए उसके पैर में से खून बह रहा था। 3. राजा के सैनिकों ने महल से चोरी हुआ धन लकड़हारे के घर में पड़ा देखा, इसलिए उसको बन्दी बनाया। 4. राजा ने लकड़हारे को भूखे शेर के सामने छोड़ने की सजा दी। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सभी जीवों पर दया करनी चाहिए। मुसीबत के समय उनकी मदद करनी चाहिए, क्योंकि जानवर भी अपने ऊपर किये उपकार को नहीं भूलता है और वक्त पड़ने पर परोपकार का बदला जरूर चुकाता है। **हॉट प्रश्न –** 1. शेर लकड़हारे के पास आया और उसने अपना पैर लकड़हारे के सामने कर दिया। 2. क्योंकि सिपाहियों को लगा चोरी लकड़हारे ने की है, इसलिए सिपाहियों ने लकड़हारे को बंदी बना दिया। 3. शेर पिंजरे से निकलकर लकड़हारे के पास बैठकर पालतू जानवर की तरह पूँछ हिलाने लगा। **(ख)** 1. क 2. ख 3. क **(ग)** 1. लकड़ियाँ 2. शेर 3. लंगड़ाकर, खून 4. धन 5. उपकार, परोपकार **(ग)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 7 जैसा बोओगे वैसा काटोगे

मौखिक अभ्यास – 1. लोभचन्द लोभी स्वभाव का एक हलवाई था। 2. लोभचन्द की दुकान के सामने से रामकिशन नाम का एक गरीब व्यक्ति गुजरा। 3. गाँव के संरपच का नाम ज्ञानेश्वर प्रसाद था। **(क)** 1. लोभचन्द लोभी स्वभाव का व्यक्ति था। 2. रामकिशन ने सोचा कि मिठाइयों के दाम बहुत ज्यादा हैं, इसलिए उसने मिठाइयाँ नहीं खरीदीं। 3. लोभचन्द ने रामकिशन से पहली बार मिठाइयों को सूँघने के पैसे माँगें। 4. लोभचन्द ने जब रामकिशन से दूसरी बार दुकान जाने पर पैसे माँगें, तब रामकिशन ने जेब के अन्दर रखे पैसों को खनकाया। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव ईमानदार रहना चाहिए। कभी-भी बेईमानी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हम जैसी करनी करेंगे, हमें वैसा ही भरना पड़ेगा। **हॉट प्रश्न –** 1. लोभचंद ने राम किशन के सारे पैसे केवल इसलिए छीन लिए क्योंकि रामकिशन ने लोभचंद की मिठाइयाँ सूंघी थी। 2. दूसरे दिन रामकिशन ने लोभचन्द की दुकान से खुब सारी मिठाईयाँ खरीद ली और जेब में केवल पैसे खनखना दिए। 3. हमें सभी के साथ ईमानदारी से अच्छा व्यवहार करते रहना चाहिए। **(ख)** 1. ग 2. क 3. ग **(ग)** 1. हलवाई 2. छीन 3. बुद्धिमान 4. जेब, खनकाया 5. सूँघना। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 8 लड़ना मना है

मौखिक अभ्यास – 1. बिल्लियों के नाम – ईना और टीना थे। 2. बिल्लियाँ एक रोटी के लिए झगड़ रही थी। 3. बंदर ने बिल्लियों से रोटी बाँटने के लिए तराजू लाने के लिए कहा। **(क)** 1. दोनों बिल्लियाँ बहनें थीं। 2. बिल्लियाँ मकान से एक रोटी चुराकर लाईं। 3. बन्दर ने बिल्लियों से एक तराजू लाने को कहा। 4. तराजू के पलड़ों में रोटी के छोटे-छोटे टुकड़े देखकर दोनों बिल्लियाँ बन्दर से बोलीं- ''भाईसाहब, अब आप रहने दीजिए, हमारी रोटी का बँटवारा हम स्वयं ही कर लेंगी। 5. इस कहानी से हमको शिक्षा मिलती है कि हमें आपस में कभी नहीं लड़ना चाहिए। क्योंकि हमारी आपसी फूट का फायदा दूसरे लोग उठाते

हैं। हमें एक-दूसरे से लड़ने की बजाय आपस में बैठकर अपनी समस्या का समाधान करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. बिल्लियों को लड़ते देख बंदर ने सोचा – 'क्यों न दोनों बिल्लियों की फूट का फायदा उठाया जाए।' 2. रोटी बाँटते समय बन्दर दोनों पलड़ों में जो भारी हो उसमें से एक टुकड़ा तोड़ लेता और खा लेता था। 3. बिल्लियों की फूट का फायदा बंदर ने उठाया। **(ख)** 1. ख 2. घ 3. ग **(ग)** 1. फूटी आँख 2. चालाक 3. तराजू 4. मुँह 5. लड़ने, समस्या। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

कक्षा - 4

अध्याय- 1 नेकी पर चलें

मौखिक अभ्यास – 1. 'मालिक' शब्द का अर्थ 'ईश्वर' है। 2. 'बदी से डरें' शब्द का तात्पर्य बुरे कार्यों से है। 3. घना अन्धेरे से तात्पर्य भटकती राहों से जिनमें कुछ नजर नहीं आता। **(क)** 1. इंसान घने अंधकार से घबरा रहा है। 2. ईश्वर की रोशनी में इतना दम है कि वह अमावस्या को भी पूर्णिमा में बदल सकती है। 3. कवि ने आदमी को कमजोर बताया है, जिसमें लाखों कमियाँ हैं। 4. जब इंसान पर गम आएँगे तो उन्हें ईश्वर झेलेगा, क्योंकि वही हमारा जन्मदाता है। 5. इस कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि हम हमेशा नेकी के रास्ते पर चलें, कभी-भी कोई बुरा काम ना करें। **हॉट प्रश्न –** 1. 'ताकि हँसते हुए निकले दम' का तात्पर्य है कि यदि हम अच्छे कार्य करेंगे तो हम बिना किसी पछतावे के हँस कर मर सकते है। 2. 'सुख का सूरज छिपा जा रहा है' से तात्पर्य यह है कि आज का इंसान इतना भ्रमित हो गया है कि वह अपने दुखों को स्वयं ही आमंत्रित कर रहा है जिससे सुख उससे दूर होते जा रहे है। 3. 'तेरी कृपा से है धरती थमी' शब्द का आशय है कि आज इतने अनर्थ, पाप होने के बाद भी यह धरती थमी हुई है तो वह सिर्फ आपकी ही कृपा से संभव है। **(ख)** 1. क 2. ग 3. घ **(ग)** 1. बन्दे, कर्म 2. रोशनी, अमावस 3. प्यार, बैर 4. बुराई, भलाई, बदले 5. दयालु, कृपा। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)।

अध्याय- 2 आत्मनिर्भरता

मौखिक अभ्यास – 1. किसान का नाम दीनू था। 2. गेहूँ से अंकुर फूट पड़े। 3. चिड़िया के बच्चे इसलिए चुप हो गए कि कहीं कोई उन्हें देख न ले। **(क)** 1. दीनू और उसके लड़कों में एक बुरी आदत थी कि वे अपने हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहते थे। 2. किसान और उसके लड़कों ने पहली बार अपनी फसल पड़ोसियों से कटवाने की बात कही। 3. जब चिड़िया को उसके बच्चों ने किसान और उसके लड़कों की पहली बार की सारी बातचीत बताई, तब चिड़िया ने कहा- ''चिन्ता मत करो। ये कोई परेशान होने वाली बात नहीं है, क्योंकि पड़ोसी फसल काटने नहीं आएँगे। हम अभी यहीं रहेंगें।'' 4. दूसरी बार दीनू और उसके बेटों ने फसल अपने भाइयों से कटवाने की बात कही। 5. तीसरी बार किसान ने स्वयं फसल काटने की बात कही। 6. फसल किसान और उसके दोनों बेटों ने मिलकर काटी। 7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए। कभी-भी दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। दूसरों के सहारे कभी कोई काम पूरा नहीं होता। इसलिए हमें स्वावलम्बी बनना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. किसान और उसके बेटों की एक बुरी आदत ये थे कि वे दूसरों पर निर्भर रहते थे। 2. चिड़िया के बच्चे वहीं खेत में नाचते-गाते और खेलते थे। 3. उसने कहा कि 'हमें आज ही यह स्थान छोड़कर दूसरे स्थान पर चले जाना चाहिए। **(ख)** 1. क 2. ग 3. ख **(ग)** 1. गेहूँ 2. डर 3. मेहनत 4. पड़ोसी 5. भाइयों 6. सहारे **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 3 सच्चा पुत्र

मौखिक अभ्यास – 1. गाँव में तालाब, कूएँ अकाल के कारण सूख गए। 2. पहली औरत का बेटा पहलवान था। 3. मवेशी भूख के कारण कालग्रस्त हो गए थे। जो बचे हुए थे उन्हें गाँव के लोगों ने बेच दिया था। **(क)** 1. गाँव के सभी कुएँ, तालाब, नदी, नाले अकाल के कारण सूख गए थे, इसलिए गाँव की औरतों को पानी के लिए गाँव से बाहर जाना पड़ता था। 2. पहली औरत को अपने बेटे के पहलवान होने पर गर्व महसूस हो रहा था। 3. दूसरी औरत का बेटा ज्योतिषी था। उसकी की गई भविष्यवाणियाँ कभी गलत नहीं होती थीं। 4. तीसरी औरत का लड़का कलेक्टर था, इसलिए उसके आगे-पीछे गाड़ियों की लाइन लगी रहती थी। 5. उन सब की बातें सुनकर चौथी औरत चुप थी, क्योंकि उसके बेटे में उन तीनों के बेटों जैसी कोई विशेषता नहीं थी। 6. पहली औरत का बेटा बड़बड़ाता हुआ आकर अपनी माँ से बोला- ''अब पानी लाओगी तो खाना कब बनाओगी ? लगता है आज तुमने मुझे भूखा मारने की ठान रखी है।'' इतना कहकर पहलवान वहाँ से चला गया। दूसरी औरत का बेटा चीख-चीख कर अपनी माँ से बोल रहा था, ''मेरे सितारे मुझसे कह रहे थे कि आज मेरे नसीब में खाना नहीं है।'' ऐसा कहकर वह ज्योतिषी भी पैर पटकता हुआ वहाँ से चला गया। तीसरी औरत का बेटा अपनी माँ को डाँटते हुए बोला - ''क्यों मेरी इज्जत धूल में मिलाने पर तुली हो ? क्या तुम्हें इसी समय आना जरूरी था ?'' इतना कहकर कलेक्टर की गाड़ी जैसे धूल उड़ाती आई, वैसे ही धूल उड़ाती चली गई। 7. सच्चा सपूत चौथी औरत का बेटा था। **हॉट प्रश्न –** 1. औरतें पानी भरने गाँव से बाहर जाती थी। 2. चौथी औरत ने अपने बेटे को कलयुग का श्रवण कुमार बताया। 3. दूसरी औरत के बेटे ने चीख-चीख कर अपनी माँ से कहा कि 'मेरे सितारे मुझसे कह रहे थे कि आज मेरे नसीब में खाना नहीं है।' **(ख)** 1. ख 2. क 3. ग **(ग)** 1. समूह 2. भविष्यवाणियाँ 3. कलेक्टर 4. श्रवण कुमार 5. सेवा 6. शर्म **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

अध्याय- 4 तीन मूर्तियाँ

मौखिक अभ्यास – 1. मूर्तिकार मूर्ति बेचने आया था। 2. मूर्तियाँ सजीव जान पड़ रही थी। 3. क्योंकि उन तीनों मूर्तियों के स्वभाव में अन्तर था अर्थात् उनका स्वभाव अलग-अलग था। **(क)** 1. मूर्तिकार की कला देखकर राजा बहुत प्रभावित हुआ, क्योंकि सभी मूर्तियाँ एक-से बढ़कर एक थीं। 2. मूर्तिकार ने राजा को तीनों मूर्तियों के अलग-अलग मूल्य बताएँ। पहली मूर्ति का मूल्य एक कौड़ी, दूसरी मूर्ति का मूल्य एक सोने की मुहर और तीसरी मूर्ति का मूल्य एक लाख सोने की मुहरें बताया। 3. जब मूर्तिकार ने बारी-बारी तीनों मूर्तियों के कान में धागा डाला, तब पहली मूर्ति के एक कान में धागा डालने पर धागा दूसरे कान से बाहर निकल जाता। दूसरी मूर्ति के कान में धागा डालने पर धागा मुँह से बाहर आ जाता। तीसरी मूर्ति के कान में धागा डालने पर धागा कहीं से भी बाहर नहीं आया बल्कि धागा भीतर ही रहा। 4. मूर्तिकार ने पहली मूर्ति के बारे में बताया कि ऐसा व्यक्ति किसी भी उपदेश या अच्छी बात को सुनकर एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता

है। दूसरी मूर्ति की व्याख्या करता हुआ मूर्तिकार बोला- ऐसा व्यक्ति कोई भी अच्छी बात कान से सुनकर मुँह से निकाल देता है अर्थात् किसी को बता देता है, तीसरी मूर्ति की व्याख्या करते हुए मूर्तिकार बोला - ऐसा व्यक्ति किसी भी अच्छी बात या उपदेश को सुनकर अपने हृदय में रखता है। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें अपने जीवन में अगर कहीं भी-कभी भी, कोई अच्छी बात या उपदेश सुनने को मिले तो उसे ध्यान से सुनना चाहिए और उनको सुनकर उन पर आचरण करने की कोशिश भी करनी चाहिए। न कि एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. एक-सी दिखने वाली मूर्तियों के स्वभाव अलग-अलग थे। 2. मूर्तियों का अंतर बताते समय मूर्तिकार ने पहली मूर्ति के कान में एक धागा डाला, वह दूसरे कान से निकल गया। दूसरी मूर्ति के कान में धागा डाला तो वह मुँह से निकल गया। तीसरी मूर्ति के कान में धागा डालने पर वह कहीं से नहीं निकला। 3.दूसरी मूर्ति का मूल्य एक सोने की मोहर था। **(ख)** 1. क 2. ग 3. घ **(ग)** 1. मुँह माँगी 2. प्रशंसा 3. धागा 4. कौड़ी। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 5 लोभ का फल

मौखिक अभ्यास – 1. राजा ने बहुत बड़े भोजन समारोह का आयोजन किया था। 2. राजा ने ढिंढोरा पिटवाया कि जो राजा को मछली लाकर देगा, राजा उसे बहुत सारा पुरस्कार देगा। 3. मछुआरे ने द्वारपाल की शर्त मान ली। **(क)** 1. राजा ने शहर में ढिंढोरा पिटवाया कि, जो राजा को मछली लाकर देगा, राजा उसे बहुत सारा पुरस्कार देगा। 2. द्वारपाल ने मछुआरे से शर्त रखी कि जो तुम्हें पुरस्कार में मिलेगा, उसका आधा हिस्सा उसे देना होगा। 3. मछुआरे ने राजा से पुरस्कार में उसकी पीठ पर सौ कौड़े लगाये जाने की माँग रखी। 4. जब मछुआरे की पीठ पर लगने वाले कौड़ों की गिनती पचास हो गई तब मछुआरा चिल्लाया क्योंकि पुरस्कार स्वरूप मिले कौड़ों में से आधा हिस्सा द्वारपाल को देना था। 5. मछुआरे के साथ उसके आधे पुरस्कार का हिस्सेदार द्वारपाल था। 6. राजा ने द्वारपाल को पचास कौड़े लगवाने के बाद उसे कारावास में डलवा दिया। 7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। अपने पद का कभी गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सदैव ईमानदारी से अपना कर्त्तव्य निभाना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा को भोजन समारोह में एक बहुत बड़ी मछली की आवश्यकता थी। 2. मछुआरे ने इनाम में नंगी पीठ पर सौ कोड़े लगाने की याचना की। 3. अपने इनाम के अनुसार मछुआरे की पीठ पर लगने वाले कोड़ों में से द्वारपाल पचास कोड़ों का हिस्सेदार था। **(ख)** 1. क 2. ग 3. घ **(ग)** 1. भोजन समारोह 2. पुरस्कार 3. समझदार, शर्त 4. नम्रता, सौ कौड़े 5. हिस्सेदार 6. कारावास। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✓)।

अध्याय- 6 बिना विचारे मत करे

मौखिक अभ्यास – 1. मोहन बहुत ही अच्छा इंसान था। 2. मोहन के कुत्ते का नाम 'रोबिन' था। 3. मोहन के माता-पिता यात्रा पर गए थे। **(क)** 1. मोहन के परिवार में, उसकी पत्नी, छः-सात महीने का लड़का, उसके बूढ़े माँ-बाप और प्यारा-सा कुत्ता 'रोबिन' रहते थे। 2. मोहन अपने कुत्ते से बहुत प्रेमपूर्वक व्यवहार करता था। 3. जब मोहन बाहर जा रहा था, तब उसने अपने बेटे की देखभाल करने के लिए अपने कुत्ते रोबिन से कहा। 4. रोबिन के मुँह पर खून लगा देख मोहन ने समझा कि उसने, उसके बेटे को मार डाला है। 5. क्रोध में आकर मोहन ने रोबिन पर कुदाल दे मारी और एक ही वार में रोबिन मर गया। 6. जिस कमरे में उसका बेटा सोया हुआ था, उस कमरे में जाकर मोहन ने देखा कि उसका बेटा अपने पालने में बिल्कुल ठीक-ठाक सो रहा था तथा थोड़ी ही दूरी पर एक मरा हुआ साँप पड़ा था। 7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें कभी-भी बिना सोचे-समझे कोई काम नहीं करना चाहिए। कभी-भी किसी भी बात की सच्चाई जाने बिना निर्णय पर नहीं पहुँचना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. मोहन अपने कुत्ते को रोज नहलाता, धुलाता, खाना आदि खिलाता था। 2. मोहन के सामने बेटे को छोड़कर जाने की समस्या थी। 3. मोहन ने अन्दर जाकर, देखा कि उसका बेटा आराम से सो रहा है और एक खून से लथपथ साँप कमरे के फर्श पर पड़ा हुआ है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ग **(ग)** 1. धनवान, सरपंच 2. दुम, लेट 3. आपस, लगाव 4. देखभाल 5. खून 6. वशीभूत, मार 7. सोच-समझकर। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)

अध्याय- 7 मातृ-आज्ञापालन

मौखिक अभ्यास – 1. धीरज धैर्यवान और समझदार लड़का था। 2. धीरज की माँ खूब मेहनत-मजदूरी करती थी। 3. दूसरे दिन धीरज मंदिर में रुका था। **(क)** 1. धीरज ने अपनी माँ से शहर जाने की जिद की। 2. धीरज की माँ ने उसे जाने से पहले ये चार बातें बताईं- पहली :- कभी-भी सफर अकेले मत करना। दूसरी :- पहले दूसरों को भोजन कराना, फिर स्वयं करना, चाहे तुम्हें कितनी भी भूख लगी हो। तीसरी :- कभी-भी झूठ मत बोलना। चौथी :- कभी-भी चोरी मत करना। 3. धीरज ने अपने सफर का साथी एक नेवले को बनाया। 4. सवेरे जंगल में जब धीरज सोकर उठा तो उसने अपने पास पेड़ के नीचे मरे हुए साँप को देखा। 5. जब धीरज मंदिर में लड्डू खा रहा था, तभी वहाँ एक आदमी आया। उस आदमी को देखकर धीरज को माँ की दूसरी बात याद आ गई और उसने वह लड्डू उस आदमी को खाने के लिए दे दिया। 6. धीरज के पास मन्दिर में आने वाला आदमी वहाँ का राजा था और उसने धीरज को कोषाध्यक्ष बना दिया। 7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव अपने बड़ों द्वारा दी गई शिक्षा का पालन करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. धीरज के शहर जाने की बात पर धीरज की माँ ने कहा – ''बेटा, तुम गाँव के सीधे-सादे इंसान तुम कहाँ रहोगे? इसलिए तुम शहर जाने की जिद मत करो।'' 2. धीरज की माँ ने रास्ते में खाने के लिए खाना और कुछ लड्डू बनाकर रखे। 3. धीरज की माँ की चार बाते थी – 1. कभी सफर अकेले मत करना 2. पहले दूसरों को भोजन कराना, फिर स्वयं करना चाहे तुम्हें कितनी भी भूख लगी हो। 3. कभी झूठ मत बोलना। 4. कभी चोरी मत करना। **(ख)** 1. ग 2. क 3. ख। **(ग)** 1. दुःख 2. शहर, जिद 3. नेवले 4. साँप 5. लड्डू 6. कोषाध्यक्ष 7. शिक्षा। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)।

अध्याय- 8 संतोषी परमसुखी

मौखिक अभ्यास – 1. राजा भोज बहुत ही दयालु और न्यायप्रिय राजा थे। 2. वे प्रकृति के सुन्दर रुप को देख रहे थे। 3. राजा को जंगल में लकड़हारा आते दिखाई दिया। **(क)** 1. राजा भोज अवन्ति नामक विशाल साम्राज्य के राजा थे। 2. लकड़हारा जब राजा के पास से गुजरा तो उसने राजा पर कोई ध्यान नहीं दिया और अपनी ही धुन में, मस्ती में मस्त लकड़हारा गुनगुनाता हुआ अपने घर की ओर चला जा रहा था। 3. राजा ने लकड़हारे से पूछा कि वह कौन है ? उसने जवाब दिया- ''अरे, तुम मुझे नहीं जानते ? मैं तो महाराजा हूँ।'' 4. लकड़हारे का जवाब

सुनकर राजा ने सोचा कि- ''ये लकड़हारा इतनी गरीबी में अपना जीवनयापन कर रहा है, शरीर से पसीना बहा रहा है, गन्दे और फटे हुए कपड़े पहन रखे हैं, सिर पर लकड़ियों का गट्ठर उठा रखा है फिर भी अपने आपको महाराजा बता रहा है। बड़ा अजीब आदमी है यह।'' 5. लकड़हारा प्रतिदिन छः रुपये कमाता था। 6. लकड़हारा अपने रुपये इस प्रकार खर्च करता था- वह प्रतिदिन एक रुपया अपने महाजन को, एक रुपया ग्राहक को, एक रुपया मंत्री को, एक रुपया खजाने में, एक रुपया अपने उपयोग के लिए तथा बचा हुआ रुपया मेहमानों की आव-भगत में खर्च करता था।'' 7. लकड़हारे के अनुसार उसका महाजन उसके माता-पिता, उसका मंत्री उसकी पत्नी, उसका ग्राहक उसके अपने बच्चे और खजाना, जिसमें वह रोज एक रुपया जमा करता था। पूरा हिसाब रखना चाहिए और उन्हें सोच-समझकर सही कामों पर अपनी आय से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा ने शाम को देखा कि दिन ढल रहा था। सूरज पहाड़ों के पीछे जा रहा था। डूबते हुए सूरज के चारों ओर की लालिमा से सारा जंगल प्रकाशमान हो रहा था। यह प्रकाश पेड़ों की पत्तियों पर गिर रहा था, जिससे पत्तियाँ सोने जैसी लग रही थी। राजा भोज इस मनोरम दृश्य में खो गए। 2. राजा को तब आश्चर्य हुआ जब लकड़हारे ने स्वयं को महाराजा बताया। 3. लकड़हारे के महाजन उसके माता-पिता थे। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. क **(ग)** 1. घूमने, जंगल 2. मस्ती, आश्चर्य 3. महाराजा 4. छः 5. आमदनी 6. इच्छाओं। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)।

कक्षा - 5

अध्याय- 1 हे दयानिधे!

मौखिक अभ्यास – 1. हम ईश्वर से कर्त्तव्य मार्ग पर डट जाने के लिए शक्ति माँगते है। 2. हम दीन-दुःखी, निर्बलों, विकलो के सेवक बनकर हम संताप हरे। 3. हम देश पर बलिदान हो जाऐं। **(क)** 1. बच्चे 'दयानिधे' अर्थात् 'प्रभु' से प्रार्थना कर रहे हैं। 2. दूसरों की सेवा व भलाई करने से जीवन सफल होगा। 3. हमें दीन-दुःखी, निर्बल व असहायों के सेवक बनकर उनका संताप हरना चाहिए। 4. छल, अभिमान, ईर्ष्या, पाखण्ड, झूठ व अन्याय से दूर रहना चाहिए। 5. हमारा जीवन शुद्ध और सरल होना चाहिए। 6. हमें अपनी मातृभूमि पर बलिदान होना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. दूसरों की सेवा और उपकार करके हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। 2. हमें छल, दम्भ, द्वेष, पाखण्ड, झूठ और अन्याय से रोज दूर रहना है। 3. हमें निज आन-मान मर्यादा का ध्यान और अभिमान रहना चाहिए। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. घ **(ग)** 1. शक्ति, कर्त्तव्य-मार्ग 2. दीन-दुःखी, सेवक 3. शुद्ध, सुधा-रस 4. बलिदान 5. भूले-भटके 6. अभिमान। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✓)।

अध्याय- 2 हरिश्चन्द्र का प्रण

मौखिक अभ्यास – 1. राजा हरिश्चन्द्र की पत्नी का नाम शैव्या था। 2. राजा के यहाँ आए सिद्ध पुरुष महर्षि विश्वामित्र थे। 3. राजा हरिश्चन्द्र ने अपने आप को एक श्मशान घाट के डोम को बेच दिया। **(क)** 1. राजा हरिश्चन्द्र की पत्नी का नाम ''शैव्या'' व पुत्र का नाम ''रोहिताश्व'' था। 2. राजा हरिश्चन्द्र ने स्वप्न में देखा कि उनके राजभवन में एक सिद्ध पुरुष आये और उन्होंने अपना सारा राज-पाट उन्हें दान में दे दिया। 3. क्योंकि राजा अपना सारा राज्य दान कर चुके थे, इसलिये राजकोष पर उनका अधिकार समाप्त हो गया था। राजा कोष में से दक्षिणा नहीं दे सकते थे। 4. महर्षि विश्वामित्र की दक्षिणा चुकाने के लिये स्वयं को बेचने के लिये राजा अपनी पत्नी और बच्चे के साथ काशी गये। 5. राजा हरिश्चन्द्र ने स्वयं को श्मशान घाट के डोम को बेचकर तथा अपनी पत्नी शैव्या व पुत्र रोहिताश्व को ब्राह्मण के यहाँ बेचकर मिले धन से महर्षि विश्वामित्र की दक्षिणा चुकाई। 6. रोहिताश्व की मृत्यु बगीचे में फूल तोड़ते हुए साँप के डंसने से हुई। उसके दाह-संस्कार के लिए डोम बने हरिश्चन्द्र ने शैव्या से श्मशान का कर माँगा। 7. अन्त में महर्षि विश्वामित्र ने प्रकट होकर राजा से कहा, ''राजन्, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। सत्य और धर्म की इस परीक्षा में तुम उत्तीर्ण हुए हो। तुम वास्तव में सत्यवादी हो।'' 8. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सदैव सत्य की राह पर चलना चाहिए, चाहे इसके लिये हमें कितनी भी मुसीबत उठानी पड़े। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा हरिश्चन्द्र ने सापने में एक सिद्ध पुरुष को सारा राज-पाट दान में दे दिया था। 2. राजा ने महर्षि की दक्षिणा चुकाने के लिए स्वयं को बेचने का निर्णय लिया। 3. जब रानी शैव्या साड़ी फाड़ना आरंभ कर रही थी तो आकाश में भीषण गर्जना हुई और विश्वामित्र प्रकट हो गए। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ग **(ग)** 1. राज-पाट 2. दक्षिणा 3. ब्राह्मण, डोम 4. साँप, मृत्यु 5. दाह-संस्कार, टस-से-मस 6. सच्चाई। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓) 6. (✗) 7. (✓)।

अध्याय- 3 सेवा करो तो मेवा पाओ

मौखिक अभ्यास – 1. महल में साधु प्रतिदिन भिक्षा माँगने आता था। 2. राजकुमारी अपने मुँह में साधू द्वारा दिया गया मोती रखकर अदृश्य हो जाती थी। 3. महारानी के जिद करने पर साधु ने बताया कि छोटी कन्या के भाग्य में विधवा योग है। **(क)** 1. राजा के सात पुत्रियाँ थीं। उनके महल में प्रतिदिन एक साधु भिक्षा माँगने आया करता था। 2. साधु राजा की छह बड़ी राजकुमारियों को हमेशा ''सदा सौभाग्यवती'' रहने का आशीर्वाद देता था, लेकिन सबसे छोटी राजकुमारी को हमेशा ''सदा सुखी रहने'' का आशीर्वाद देता था। 3. महारानी को छोटी राजकुमारी के विधवा योग के बारे में जानकर सदमा लगा। 4. साधु ने बताया, ''सात समुद्र पार एक छोटा-सा द्वीप है। उस द्वीप में एक सोने का महल है। उस महल में एक बुढ़िया अपने सात पुत्रों और उनकी पत्नियों के साथ रहती है। बुढ़िया की राजकुमारी सालभर तक सच्ची सेवा करे और बुढ़िया के हाथ से अपनी माँग में सिन्दूर भरवाकर उससे अखण्ड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद लेगी तो वह भी सदैव सुहागन रहेगी।'' 5. साधु ने राजा को सात रत्न और एक मोती दिया। राजकुमारी को सात समुद्र पार करने के लिये सात रत्न और अदृश्य होने के लिए मोती दिया था। 6. राजकुमारी ने द्वीप पर पहुँचकर बुढ़िया की एक साल तक भरपूर सेवा की और स्वादिष्ट भोजन से बुढ़िया को प्रसन्न कर लिया। 7. बुढ़िया ने कहा, ''जिसने साल भर तक मेरी इतनी सेवा की है, वह मेरे सामने आये। बुढ़िया की बात सुनकर अदृश्य राजकुमारी ने अपने मुँह से मोती निकाला और वह सबको नजर आने लगी। 8. इस कहानी से हमें वृद्धजनों की सेवा करने की शिक्षा मिलती है। ऐसा करने से हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। **हॉट प्रश्न –** 1. रानी के बीमार होने का कारण साधु द्वारा बताया गया छोटी कन्या का विधवा योग था। 2. साधु ने राजा-रानी को राजकुमारी के लिए उपाय बताया कि यदि राजकुमारी सात समुद्र पार करके सोने के महल में रहने वाली बुढ़िया की 1 वर्ष तक सेवा करके उससे अखण्ड सौभाग्यवती होने का आर्शीवाद ले लेगी तो वह भी सदा सुहागन रहेगी। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. क **(ग)** 1. भिक्षा 2.

विधवा 3. सदमा 4. सात-समुद्र, सोने के महल 5. सात रत्न 6. सेवा 7. सदा सुहागन। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)।

अध्याय- 4 लोभ पाप का मूल

मौखिक अभ्यास – 1. किसान मेहनती होने के साथ-साथ भगवान में विश्वास करने वाला था। 2. किसान भगवान की आराधना किया करता था। 3. किसान ने भगवान शंकर से गरीबी दूर करने का वरदान माँगा। **(क)** 1. गरीब किसान के घर में उसकी पत्नी, दो बच्चे तथा वृद्ध माता-पिता थे। 2. सारा दिन कठोर परिश्रम करने के बाद जो समय मिलता था, उसमें वह भगवान की आराधना करता था। 3. किसान ने भगवान शंकर से गरीबी दूर होने का वरदान माँगा। 4. भगवान शंकर ने किसान को वरदान के रूप में एक मुर्गी दी, जो प्रतिदिन एक सोने का अण्डा देती थी। 5. धनवान होने के बाद किसान बहुत आलसी हो गया था। काम करना तो दूर, अब वह भगवान का नाम भी नहीं लेता था। सारा दिन खाता-पीता और आराम करता था। 6. भगवान शंकर ने व्यापारी का रूप धारण किया। व्यापारी ने मुर्गी को काटकर एक दिन में ही सारे सोने के अण्डे निकालने का सुझाव किसान को दिया। 7. व्यापारी की बात सुनकर किसान जल्दी-जल्दी घर गया और उसने एक बड़ी छुरी लेकर मुर्गी का पेट काट डाला। पेट कटते ही मुर्गी मर गई। 8. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें कभी-भी लालच नहीं करना चाहिए। संतोषपूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. भगवान के तथास्तु करने पर एक सोने का अण्डा देने वाली मुर्गी वहाँ आ गई। 2. मुर्गी प्रतिदिन एक सोने का अण्डा देती थी। 3. क्योंकि किसान बहुत आलसी हो गया था। वह सारा दिन खाता-पीता और आराम करता था। किसान की पत्नी उसकी इस आदत से परेशान रहती थी। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. घ **(ग)** 1. कड़ी मेहनत-मजदूरी 2. आराधना 3. वरदान 4. सोने का अण्डा, मुर्गी 5. पश्चाताप 6. सुझाव 7. लालच, पेट। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✓) 7. (✓)।

अध्याय- 5 कर्म करते रहो

मौखिक अभ्यास – 1. किसान को धन-सम्पदा अपने पुरखों से मिली। 2. किसान की मृत्यु के बाद उसकी जमीन-जायदाद उसके इकलौते लड़के राहुल को मिल गई 3. श्रीधर एक बहुत ही समझदार इंसान था। **(क)** 1. किसान की मृत्यु के बाद उसकी जमीन-जायदाद उसके इकलौते लड़के राहुल को मिल गयी। 2. राहुल बहुत आलसी था अर्थात् राहुल के लिए 'काम हराम था'। वह कभी-भी अपने खेत-खलिहानों पर नहीं जाता था और न ही पशुओं की देखभाल करता था। 3. राहुल के पिता की मृत्यु के बाद खेतों में फसल कम होने लगी, नौकर लापरवाह हो गए, वे पशुओं को चारा-पानी समय पर नहीं देते थे, जिसकी वजह से पशुओं से होने वाला फायदा भी बहुत कम हो गया था। अन्त में सारे खेत सूख गये थे और पशुओं ने भी दूध देना बन्द कर दिया था। यह सब राहुल के आलस्य और लापरवाही के कारण हुआ। 4. राहुल के मित्र का नाम श्रीधर था। उसने राहुल को उपाय बताया कि तुम्हारे खेत के पास तालाब पर रोज सूर्योदय से पूर्व एक स्वर्ण-हंस आता है। तुम उस स्वर्ण-हंस के दर्शन कर लोगे, तुम्हारे सारे कष्ट दूर हो जाएँगे और पूर्व की तरह धनवान हो जाओगे। 5. राहुल के मन में विचार आया, ''मेरा खेत रास्ते में ही है। क्यों न आज खेत पर चला जाय।'' ऐसा मन में विचारकर वह खेत की ओर चल दिया। 6. खेत पर जाकर राहुल ने देखा कि उसके सारे नौकर लापरवाह हो गये थे। अचानक मालिक के खेत पर आने से नौकर हड़बड़ा गये और जल्दी-जल्दी वे अपने काम में लग गये। राहुल समझ गया कि सब उसके निकम्मे और आलसीपन का नतीजा है। 7. रोज सूर्योदय पूर्व खेत पर जाने से राहुल का स्वास्थ्य अच्छा होने के साथ उसमें चुस्ती-फुर्ती आ गई। उसका काम में भी मन लगने लगा, उसे आर्थिक लाभ भी होने लगा, इससे उसकी आर्थिक स्थिति सुधरने लगी और धीरे-धीरे वह पूर्व की तरह धनवान बन गया। 8. इस कहानी से हमें जीवन में सदैव परिश्रम करने तथा आलस्य व लापरवाह नहीं बनने की शिक्षा मिलती है। **हॉट प्रश्न –** 1. नौकरो ने मालिक की लापरवाही का फायदा उठाना शुरु कर दिया। 2. नौकरों के फायदा उठाने से राहुल की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी। 3. राहुल के मित्र श्रीधर ने राहुल को सूर्योदय से पहले नियमित रुप से खेत के पास वाले तालाब पर जाकर वहाँ आने वाले स्वर्ण हंस के दर्शन करने को कहा। **(ख)** 1. क 2. क 3. ग **(ग)** 1. धन-सम्पदा 2. आलसी, नौकरों 3. लापरवाही, मर्जी के मालिक 4. स्वर्ण-हंस 5. खेत 6. चुस्ती-फुर्ती 7. आराम-हराम। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✗) 7. (✓)।

अध्याय- 6 अहिंसा परमो धर्म

मौखिक अभ्यास – 1. गौतम बुद्ध एक पेड़ की शीतल छाया में बैठे हुए थे। 2. महाराज बिम्बसार एक यज्ञ कर रहे थे। 3. पंडित जी मंत्रोच्चार कर रहे थे। **(क)** 1. महात्मा गौतम बुद्ध दोपहर के समय एक पेड़ की शीतल छाया में बैठे हुए थे। उन्होंने देखा कि एक गड़रिया तेजी से भेड़-बकरियों को हाँकता हुआ शहर की तरफ जा रहा था। 2. गड़रिया भेड़-बकरियों को लेकर महाराज बिम्बसार के यज्ञ-स्थल पर जा रहा था। यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद इन भेड़-बकरियों की बलि दी जाने वाली थी। 3. भगवान बुद्ध ने देखा कि एक छोटा-सा मेमना भेड़ों की उस टोली में लंगड़ाकर चल रहा था। गड़रिया बार-बार उसे छड़ी मारकर दौड़ने का संकेत दे रहा था पर मेमने से चला भी नहीं जा रहा था। मेमने की ऐसी दयनीय हालत देखकर महात्मा बुद्ध ने उसे अपनी गोद में उठा लिया। 4. महाराज बिम्बसार यज्ञ करा रहे थे। 5. जब वधिक ने अच्छी सजी हुई भेड़ का वध करने के लिए कृपाण उठाई- एक तेज आवाज आई, ''ठहरो! भेड़ का वध मत करो। हिंसा करना पाप है।'' वधिक के हाथ से कृपाण नीचे गिर गई। सारे मण्डप में सन्नाटा छा गया। 6. भगवान बुद्ध राजा बिम्बसार के पास जाकर बोले, ''यह कैसा यज्ञ है ? इसमें इतने सारे निरापराध पशुओं का वध किया जा रहा है। इस यज्ञ के देवता कैसे है ? जो निरपराध मूक पशुओं की बलि चाहते हैं। जो देवता अपने भक्तजनों को हिंसा करने के लिये उकसाते हैं, वे देवता कहलाने योग्य नहीं होते हैं।'' 7. प्राणी मात्र से प्यार करना और उनके प्रति सहानुभूति रखना ही सच्चा यज्ञ है। 8. इस कहानी से हमें अहिंसा के परमधर्म की पालना करने की शिक्षा मिलती है। हमें प्राणी मात्र से प्रेम करना व उनके प्रति दया व सहानुभूति रखनी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. महात्मा बुद्ध ने एक मेमने को अपनी गोद में उठा लिया क्योंकि उस मेमने के पैर में चोट लगी थी। 2. क्योंकि राजा बिम्बसार एक यज्ञ का आयोजन कर रहे थे। 3. महात्मा बुद्ध की आवाज से मण्डप में सन्नाटा छा गया। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** 1. मूक-प्राणियों 2. मेमना 3. छड़ी 4. यज्ञ, निरपराध 5. उत्पत्ति, कष्ट 6. सहानुभूति, सच्चा-यज्ञ 7. दीन-दुःखियों। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓) 6. (✗) 7. (✓)।

अध्याय- 7 अतिथि-सत्कार

मौखिक अभ्यास – 1. दशरथ के परिवार में कुल चार सदस्य थे। 2.

किसान की पत्नी भोजन बनाकर पहले भगवान को भोग लगाती थी। 3. अचानक दशरथ की गृहस्थी को नजर लग गई कि उसका पुत्र श्याम एक दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी हो गया। **(क)** 1. दशरथ का छोटा-सा सुखी परिवार था। सभी में आपस में बहुत प्यार और एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहते थे। दशरथ के घर में उसकी समझदार पत्नी कमला, उसका मेहनती पुत्र श्याम और उसकी सुन्दर व सुशील पुत्रवधु राधा रहते थे। चारों ही बहुत संतोषी स्वभाव के थे। 2. दशरथ अपने पुत्र के साथ मिलकर छोटे-से खेत में गुजर-बसर करने के लिए अनाज पैदा कर लेता था। उस अनाज को बेचकर वह घर की सभी जरूरतें पूरी करता था। 3. शहर से लौटते हुए श्याम भीषण बस-दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी हो गया था। दशरथ ने उसके इलाज के लिये अपने खेत, मकान, पशु तथा गहने-आभूषण आदि बेच दिये थे। 4. दशरथ खेतों से अनाज कटने के बाद वहाँ गिरे अनाज के कणों को बीनने का काम करता था। उस अनाज को वह अपने घर ले आता था। 5. दशरथ ने कहा, ''बेटी! तुम भूख से बहुत दुबली हो गई हो और अब इस तरह उपवास करने से तो तुम्हारा जीवन ही कठिन हो जाएगा, इसलिए तुम अपना हिस्सा रहने दो।'' 6. राधा ने कहा, ''पिताजी, आपने ही तो सिखाया है कि अतिथि साक्षात् भगवान का रूप होते हैं। अतिथि की सेवा करना हमारा परम धर्म है। मैं अपने प्राणों के लिए अपने धर्म को नहीं भूल सकती। कृपा कर मुझे भी अपने हिस्से का भोजन ब्राह्मण देवता को देने की अनुमति प्रदान करें।'' 7. अतिथि साक्षात् भगवान विष्णु थे। **हॉट प्रश्न –** 1. किसान दशरथ के पास एक छोटा-सा खेत, एक कुँआ, खेत जोतने के लिए एक जोड़ी बैल, एक गाय और रहने के लिए स्वयं का पक्का मकान था। 2. किसान की पत्नी गाय का दूध निकालती उसको चारा-पानी देती और जितनी जरुरत होती उतना दूध निकालकर बचा हुआ दूध बेच देती। 3. किसान के घर अतिथि बनकर स्वयं भगवान विष्णु आए। **(ख)** 1. घ 2. ग 3. घ **(ग)** 1. संतोषी 2. खेती 3. ऑपरेशन, सब कुछ 4. अनाज 5. भीषण अकाल 6. भगवान विष्णु 7. भगवान। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✓)।

अध्याय- 8 बड़ों की आज्ञाकारिता

मौखिक अभ्यास – 1. जंगल में पेड़ों के बीच एक बहुत बड़ा कुँआ था। 2. अचानक एक बंदर की नजर कुएँ के पानी पर गई तो उसे देखकर आश्चर्य हुआ कि कुएँ के पानी में तो चाँद चमक रहा है। 3. बूढ़ा बन्दर उन बन्दरों की मूर्खता पर हँसा। **(क)** 1. पूरा जंगल पूर्णमासी के चाँद के प्रकाश से जगमगा रहा था। ऐसी चाँदनी रात में बन्दर के बच्चों को नींद नहीं आ रही थी। 2. कुएँ की मुंडेर पर जाकर बन्दर के बच्चे ने देखा कि कुएँ के पानी में चाँद चमक रहा है। यह देखकर उसे बहुत आश्चर्य हुआ। 3. सभी बन्दरों ने सोचा कि चन्द्रमा पानी में गिर गया है और डूब रहा है। यदि चन्दा मामा कुएँ में डूब गये तो हमें रात में प्रकाश कौन देगा? हमारी तो रातें अंधेरी हो जाएँगी। यह सोचकर सारे बन्दर बहुत घबरा गए। 4. सभी बन्दर मिल-जुलकर इस नतीजे पर पहुँचे कि किसी भी तरह चाँद को कुएँ के पानी में डूबने से बचाना है। 5. बूढ़ा बन्दर बोला, ''तुम जिसे चाँद समझ रहे हो, वह चाँद नहीं उसकी परछाईं है। चाँद तो बहुत बड़ा होता है, वह भला इतने से कुएँ में कैसे गिर सकता है ? वह आकाश में रहता है और हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वह उसका चक्कर काटता है।'' 6. मादा बन्दर बोली, ''जो बन्दर सबसे मोटा है, वह कुएँ के ऊपर झुकी पेड़ की टहनी को पकड़कर नीचे लटकेगा और बाकी बन्दर जो वजन में हल्के हैं, उसकी पूँछ पकड़कर लटकेंगे और कुएँ के पानी तक पहुँचेंगे। सबसे नीचे वाला बन्दर एक हाथ से कुएँ से चाँद निकालेगा तथा अपने से ऊपर वाले बन्दरों की पीठ पर चढ़ता हुआ बाहर निकल आयेगा।'' 7. क्योंकि नीचे वाले बन्दर ने जैसे ही चन्द्रमा को पकड़ने के लिए पानी में हाथ मारा, पानी हिल गया और पानी में चन्द्रमा की परछाईं बिखर गई, बार-बार ऐसा ही होता रहा। अन्त में दर्द के कारण मोटे बन्दर से पेड़ की टहनी छूट गयी और सारे बन्दर कुएँ में जा गिरे। **हॉट प्रश्न –** 1. अचानक बंदर जोर-जोर से इसलिए चिल्लाने लगा क्योंकि उसके मन में यह विचार आया कि कहीं आकाश का चाँद पानी में तो नहीं गिर गया है। 2. सभी बंदर मिलजुल कर इस नतीजे पर पहुँचे कि ''किस भी तरह चाँद को कुएँ के पानी में डूबने से बचाना है।'' 3. मादा बन्दर की योजना थी कि जो बन्दर सबसे मोटा है वो कुएँ के ऊपर झुकी पेड़ की टहनी को पकड़कर नीचे लटकेगा और बाकी बन्दर जो वजन में हल्के है, उसकी पूँछ पकड़कर लटकेंगे और कुएँ के पानी तक पहुँचेगे। सबसे नीचे वाला बन्दर एक हाथ से कुएँ से चाँद निकालेगा तथा अपने से ऊपर वाले बंदरों की पीठ पर चढ़ता हुआ बाहर निकल आयेगा। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** 1. बन्दरों 2. पूर्णमासी 3. चाँद 4. डूबने 5. बेवकूफों, परछाईं 6. दर्द, टहनी, गिरे **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓) 7. (✓)।

अध्याय- 9 व्यावहारिक बुद्धि की श्रेष्ठता

मौखिक अभ्यास – 1. चारों लड़कों के नाम केशव, माधव, हरि और गोपाल था। 2. चारों नगर में एक धर्मशाला में ठहरे। 3. गोपाल घी खरीदने गया। **(क)** 1. चारों मित्रों के नाम- केशव, माधव, हरि और गोपाल थे। वे उच्च-शिक्षा के लिये काशी गये थे। 2. चारों लड़कों में केशव ने व्याकरण विषय चुना तो माधव ने ज्योतिष, हरि ने वैद्यक और गोपाल ने न्याय विषय चुना। 3. राजा ने उन चारों के लिए चावल-दाल, साग-सब्जी आदि सामान खरीदने के लिए रूपये और एक घोड़ा भिजवाया। 4. चारों मित्रों ने एक-एक काम बाँट लिया। माधव घोड़े को चराने ले गया। हरि सब्जी मंडी में सब्जी लेने गया, गोपाल ने कहा कि वह घी खरीदने जाएगा और केशव ने कहा कि वह सभी के लिये खाना बनाएगा। 5. गोपाल के मन में विचार आया कि बर्तन के सहारे घी टिका है या घी के सहारे बर्तन। उसके बर्तन उल्टा करते ही सारा घी जमीन पर बिखर गया। 6. हरि ने सब्जी के पैसों से नीम की दातून खरीद ली। केशव खिचड़ी पका रहा था, जब खिचड़ी पकने लगी तो 'खदबद' की आवाज होने लगी। केशव व्याकरण का ज्ञाता था और उसने सोचा 'खदबद' अशुद्ध होता है 'सत्यवंद' होना चाहिए। ऐसा कहते हुए कलछी से पतीले को पीटने लगा, लेकिन उसमें से 'खदबद' की आवाज आनी बंद नहीं हुई तो केशव आग-बबूला हो गया और गुस्से में आकर उसने पतीले को आग पर से उतारकर कूड़े में उलट दिया। 7. राजा ने उन चारों मित्रों को समझाते हुए कहा, ''विद्या का अर्थ यह नहीं कि तुम बुद्धि का प्रयोग बंद कर दो। बिना सोचे-विचारे काम करोगे, तो कभी सफलता नहीं मिलेगी। आगे से जो भी कार्य करो, उसमें विद्या के साथ-साथ बुद्धि का उपयोग भी भली प्रकार से करो। तुम्हें निश्चित ही सफलता मिलेगी। **हॉट प्रश्न –** 1. चारों लड़के उच्च शिक्षा के लिए काशी गए। 2. लोग गोपाल पर इसलिए हँस रहे थे क्योंकि उसने घी का डिब्बा उल्टा कर दिया था। 3. हरि जैसा मूर्ख ग्राहक पाकर स्त्री बहुत खुश थी। **(ख)** 1. क 2. ग 3. ख **(ग)** 1. होशियार, मन 2. पढ़-लिखकर 3. चावल-दाल, रुपये, घोड़ा 4. हिसाब, राह 5. आप-बीती 6. विद्या, बुद्धि 7. किताबी ज्ञान। **(ख)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✗) 7. (✓)।

कक्षा - 6

अध्याय- 2 गुरुभक्त आरुणि

मौखिक अभ्यास – 1. पुराने समय में पढ़ाई गुरुकुलों में होती थी। 2. गुरुकुल घरों से दूर हुआ करते थे। 3. काफी रात बीतने पर भी जब आरुणि घर नहीं लौटा तो ऋषि धौम्य को चिंता हुई। **(क)** 1. पुराने समय में छात्र गुरुकुलों में पढ़ाई करते थे। 2. धौम्य ऋषि ने आरुणि को बाढ़ का पानी रोकने के लिये खेतों पर भेजा। 3. आरुणि ने खेत की टूटी मेड़ को ठीक करने की कोशिश की, लेकिन पानी की तेज धारा मिट्टी को बहा ले जाती। आरुणि लगातार जुटा रहा, पर मेड़ में से पानी का बहना नहीं रुका। अन्त में आरुणि को जब कुछ न सूझा, तो वह खुद मेड़ पर लेट गया। 4. काफी रात बीतने पर भी जब आरुणि नहीं लौटा तो ऋषि धौम्य को चिन्ता हुई। वह शिष्यों को साथ ले आरुणि को खोजने लगे, परन्तु आरुणि कहीं भी न दिखा। ऋषि के पुकारने पर आरुणि ने चिल्लाकर जवाब दिया। धौम्य ऋषि ने आरुणि को मेड़ पर पड़ा देखा तो उसे गले लगा लिया। 5. आरुणि को लोग गुरु-भक्ति के लिए याद करते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. गुरुभक्त शिष्य आरुणि था। 2. पानी रोकने के लिए आरुणि खेत की मेड़ पर लेट गया। **(ख)** 1. स 2. द 3. अ **(ग)** 1. गुरुभक्त 2. खेत 3. सेवा 4. मिट्टी 5. गले। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 3 परोपकारी बालक

मौखिक अभ्यास – 1. आदमी रेलवे में चौकीदारी का काम करता था। 2. लड़के ने बाहर निकलकर पुल को टूटा हुआ देखा। 3. लड़के ने खूब चिल्लाकर कहा – 'पुल टूट गया है, पुल टूट गया है।' **(क)** 1. लड़के ने टूटे पुल को देखकर गाड़ी को रोकने की तरकीब सोची। वह ठेले को नाके पर ले जाकर अपने हाथ में लाल रोशनी लेकर उस पर खड़ा हो गया। रेलगाड़ी आने पर लड़के ने खूब चिल्लाकर गाड़ी रोकने के लिए कहा, इतने में गाड़ी का इंजन का धक्का ठेले को लगा और ठेला चूर-चूर हो गया एवं लड़का दूर उछलकर गिरा। उसके बाद गाड़ी रुक गई। 2. लड़के ने रात की अन्तिम गाड़ी को रोकने का निश्चय किया। 3. तूफान आने पर जोरों की वर्षा होने लगी। उसके बाद नदी में बाढ़ आ गई और कई गाँव बह गये। पुल भी टूट गया। 4. रेलगाड़ी पहाड़ के एक तंग दर्रे से होकर निकलती थी। 5. लड़के की कब्र पर 'कार्ल स्प्रिंगेल, उम्र 14 वर्ष' लिखा गया। **हॉट प्रश्न –** 1. बाढ़ का असर गाँवों पर यहा रहा कि उस बाढ़ में कई गाँव बह गए। 2. लड़के ने एक ठेला पटरीयों पर खड़ा किया और हाथ में लाल रोशनी लेकर उस पर खड़ा हो गया। 3. ठेले को इंजन का धक्का लगने पर वह ठेला उस लड़के को कई फुट ऊँचा उछालकर गिरा और चूर-चूर हो गया। उसके बाद गाड़ी तो रुक गई परन्तु उस लड़के की मृत्यु हो गई। **(ख)** 1. स 2. ब 3. स **(ग)** 1. लाल-बत्ती 2. परोपकार 3. गाड़ी 4. चौदह 5. दर्रे। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 4 अतिथि-सत्कार

मौखिक अभ्यास – 1. ब्राह्मण ने विवाह के समय अपनी पत्नी से कहा कि गृहस्थ का खास काम है – अतिथि सत्कार करना। मैं घर में होऊँ या न होऊँ, कोई भी अतिथि आए तो उसे भूखा मत जाने देना। 2. ब्राह्मण कान्जी नगरी में भिक्षा माँगने का कार्य करता था। 3. भगवान बूढ़े सन्यासी के रुप में ब्राह्मण के घर आएँ। **(क)** 1. ब्राह्मण नाई के घर से कैंची लाया। 2. सन्यासी ने आशीर्वाद दिया कि तुम्हारे केश ठीक हो जायें, बढ़िया कपड़े हो जाएं, धन-धान्य से भण्डार भर जायें आदि। 3. दामोदर ने पत्नी के कटे हुए केशों से बनी रस्सी को बाजार में बेच दिया। उससे जो थोड़े पैसे मिले, उनसे चावल और दाल ले आया। ब्राह्मण की पत्नी ने भोजन बनाकर आदर-पूर्वक सन्यासी को भोजन करा दिया। 4. ब्राह्मण की पत्नी ने सन्यासी के भोजन के लिये चावल और दाल बनाये। 5. भगवान बूढ़े सन्यासी के रूप में ब्राह्मण के घर गये। **हॉट प्रश्न –** 1. ब्राह्मण के घर की स्थिति बहुत दयनीय थी। खाने के लिए अन्न भी नहीं रहता था। 2. ब्राह्मण की पत्नी ने घर में कुछ न होने पर अपने केश भीतर से काट लिए और उसकी रस्सी बनाकर बाजार में बेचने के लिए दे दी। 3. शाम के भोजन में दाल और चावल दिए गए। **(ख)** 1. ब 2. स 3. द **(ग)** 1. लीला 2. सम्पत्ति 3. कैंची 4. केशों 5. अतिथि। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 5 क्रोध को जीतो

मौखिक अभ्यास – 1. सुकरात महान विचारक और प्रसिद्ध दार्शनिक थे। 2. लोगों के बेसिर-पैर के प्रश्न पूछने पर सुकरात तनिक भी क्रोध प्रकट किये बिना उनके प्रश्नों का उत्तर देते रहते थे। 3. सुकरात की पत्नी ने बाल्टी का गंदा पानी सुकरात के ऊपर डाल दिया। **(क)** 1. सुकरात शांत स्वभाव के महान् विचारक और दार्शनिक थे। किसी बात को आँख बंद करके मान लेना उनके स्वभाव में नहीं था। 2. सुकरात की पत्नी उनके अधिक समय तक घर के बाहर रहने के कारण उनसे नाराज रहती थी। 3. सुकरात की पत्नी बड़े कठोर स्वभाव की स्त्री थी। वह अकारण ही सुकरात से झगड़ती रहती थी। 4. क्रोध से हानियाँ - (i) क्रोध में अपने-पराये का ज्ञान नष्ट हो जाता है। (ii) क्रोध में मनुष्य संयम खो देता है। (iii) क्रोध में झगड़ा होने का डर रहता है। (iv) क्रोध में बदला लेने की भावना पैदा होती है। (v) क्रोध मानव की एक कमजोर व हानिकारक प्रवृत्ति है। **हॉट प्रश्न –** 1. सुकरात अधिक समय तक लोगों से घिरे रहने के कारण घर के बाहर ही रहते थे। 2. पत्नी के झगड़ने पर भी शान्त भाव से सबकुछ सुनते रहते थे। 3. गन्दे पानी से भीगने पर भी सुकरात ने शांत भाव से कहा कि इतनी भीषण गर्जना के बाद वर्षा तो होनी ही थी। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. ब 4. ब **(ग)** 1. कठोर 2. दार्शनिक 3. आयु 4. वर्षा 5. झगड़ा। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 6 कोरा ज्ञान

मौखिक अभ्यास – 1. रामनाथ संस्कृत का विद्वान बनकर गाँव लौटा। 2. पंडित जी पोथी-पत्र लेकर पुराण बाँचने के लिए दूसरे गाँव चल पड़े। 3. पंडित जी ने मल्लाह से कहा कि मैं तुझे उतराई तो दुँगा ही, साथ मैं बहुत सी ज्ञान की बाते बतलाऊँगा। **(क)** 1. पण्डितजी को अपनी शिक्षा और ज्ञान का अभिमान था। 2. तूफान आने पर तेज वर्षा होने लगी। नाव डगमगाने लगी और अन्त में नाव उलट गयी। पण्डिजी को तैरना नहीं आने के कारण वे पानी में डूबने लगे। मल्लाह सुमेर ने पण्डिजी को सहारा देकर उनके प्राण बचा लिये। 3. कोरा ज्ञान जिन्दगी में ज्यादा काम नहीं आता है। हमें ज्ञान के अलावा जरूरी कार्य करने व सीखने अवश्य चाँहिये। 4. रमानाथ ने काशी में शिक्षा प्राप्त की। 5. मल्लाह सुमेर यात्रियों की प्रतीक्षा कर रहा था। **हॉट प्रश्न –** 1. श्रावण महीने में पंडित के लिए दूसरे गाँव से पुराण बाँचने का बुलावा आया। 2.

पंडित जी ने मल्लाह से उतराई के साथ बहुत सा ज्ञान देने को कहा। 3. सुमेर ने पंडित जी को बचाने के बाद कहा, आपने बहुत ज्ञान तो प्राप्त कर लिया पर ऐसा ज्ञान किस काम का, जो मुसीबत आने पर प्राण न बचा सके। कुछ हाथ-पैर चलाना भी सीखना चाहिए। कोरा ज्ञान जिन्दगी में ज्यादा काम नहीं आता। **(ख)** 1. द 2. अ 3. ब **(ग)** 1. अभिमान 2. श्रावण 3. प्रवाह 4. नाव 5. कोरा ज्ञान। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 7 आस-पास की स्वच्छता

मौखिक अभ्यास – 1. स्वस्थ रहने के लिए हमें स्वच्छ रहना आवश्यक है। 2. सामान को उचित स्थान पर रखने का फायदा यह हैं कि उसे ढूढ़ने में समय नहीं लगता। 3. स्वच्छ एवं सँवरे हुए घर में हमें स्वच्छता के साथ-साथ आनन्द की अनुभूति भी होती है। **(क)** 1. हम बेकार व व्यर्थ पड़ी वस्तुओं को उठाकर कूड़ेदान में डालते हैं। अपने कमरे की सफाई स्वयं करते हैं। घर में धूल-मिट्टी नहीं लाते हैं और न ही फैलाते हैं। खेलकर आने पर पहले अपने हाथ, मुँह व पैरों को अच्छी तरह से धोते हैं, आदि कार्य कर हम घर की सफाई में अपनी मम्मी की सहायता करते हैं। 2. हम अपनी कक्षा में मकड़ी का जाला देखने पर अध्यापक को सूचित कर इन्हें साफ करवायेंगे। 3. विभिन्न प्रकार के कार्य करने के लिये प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं को साफ रखेंगे। घर में इधर-उधर बिखरे हुए सामान को उचित स्थान पर साफ करके रखेंगे। अपने आस-पास के गड्ढ़ों को रेत आदि से भर देंगे, अपनी कक्षा को साफ रखने के लिये कागज व टॉफियों के छिलकों को कूड़ेदान में फेंककर सफाई में सहयोग देंगे। 4. घर का कूड़ा कूड़ादान में डालना चाहिये। **हॉट प्रश्न –** 1. अपने आस-पास का अर्थ घर, कक्षा, खेल का मैदान इत्यादि से है। 2. घर में सामान के इधर-उधर पड़ने पर एवं उस पर धूल जमने पर वे घर बहुत ही गन्दे लगते है और इस तरह के घरों में आना पसन्द नहीं करता। 3. कक्षा की स्वच्छता के लिए हमें कागज के टुकड़े, टॉफियों व चॉक के टुकड़ों आदि को कूड़ेदान में फैकना चाहिए। **(ख)** 1. ब 2. स 3. स **(ग)** 1. स्वच्छ 2. कूड़े 3. कीचड़ 4. प्रयोग 5. छिलकों **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 8 ईश्वर जो करता है, अच्छा करता

मौखिक अभ्यास – 1. इस विश्व को बनाने वाला ईश्वर है। 2. हमें सही मार्ग दिखाने वाला भी ईश्वर है। 3. राजा का प्रधानमंत्री बहुत ही बुद्धिमान और ईश्वरभक्त था। **(क)** 1. ईश्वर विश्व को बनाने वाला है। 2. राजा की अँगुली कट जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा, ''ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।'' 3. क्योंकि अंगहीन व्यक्ति की बलि नहीं दी जाती और राजा के हाथ की अँगुली कटी हुई थी। 4. राजा के हाथ की अँगुली कट गई थी। 5. ईश्वर की प्रत्येक बात हमें सहर्ष स्वीकार करनी चाहिए क्योंकि ईश्वर जो करता है, ठीक ही करता है। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा की ऊँगली तलवार म्यान से निकालते हुए कट गई। 2. जब प्रधानमंत्री को जेल में डाला जा रहा था तो प्रधानमंत्री ने कहा कि 'ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।' 3. राजा की जान इसलिए बची क्योंकि राजा की एक ऊँगली कटी हुई थी और अंगहीन व्यक्ति की बलि नहीं दी जाती। **(ख)** 1. स 2. द 3. स **(ग)** 1. विश्व 2. अच्छा 3. तलवार 4. राजा 5. प्रधानमंत्री। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)। **(ङ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (य) 5. (स)। **(ङ)** 1. (स) 2. (द) 3. (स)।

अध्याय- 9 अपनी भूल स्वीकारें!

मौखिक अभ्यास – 1. चोरी की आधारशिला गन्दी या गलत आदते है। 2. गाँधी जी आत्महत्या की इच्छा से मंदिर में गए। 3. गाँधी जी ने अपने बड़े भाई का ऋण चुकाने के लिए अपने हाथ में पहने सोने के कड़े से सोना काटकर बेचा और ऋण चुकाया। **(क)** 1. गाँधीजी के जीवन की घटनाओं के बारे में बताया गया है। 2. गाँधीजी ने अपने बड़े भाई का ऋण चुकाने के लिये उनके हाथ में पड़े सोने के कड़े से सोना काटकर बेचा और ऋण चुकाया। 3. गाँधीजी ने अपने पिता को पत्र लिखकर अपने द्वारा किये गए अपराध की उनसे क्षमा माँगी। 4. पिताजी की आँखों से आँसू निकल आए थे, क्योंकि बेटे ने अपनी भूल को स्वीकार कर लिया था। 5. गाँधीजी द्वारा अपने बड़े भाई का ऋण चुकाने के लिये उनके हाथ में पड़े सोने के कड़े से सोना काटकर बेचने की घटना का उनके मन पर बुरा प्रभाव पड़ा। **हॉट प्रश्न –** 1. गाँधीजी ने बीड़ी खरीदने के लिए अपने नौकर की जेब से चोरी की। 2. गाँधी जी ने खड़े होकर दो-तीन धतूरे के बीच खाए होगें कि उन्हें ज्ञान हो गया – 'आत्महत्या करना पाप है।' 3. गाँधी जी ने अपने पिता को पत्र इसलिए लिखा क्योंकि वह चोरी की आदत के लिए अपने पिता से क्षमा माँगना चाहते थे। **(ख)** 1. स 2. ब 3. ब **(ग)** 1. चोरी 2. पाप 3. नौकर 4. आँसू 5. दुःख। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 10 पुरुषार्थ

मौखिक अभ्यास – 1. मनुष्य का धर्म पुरुषार्थ करना है। 2. किसान की बैलगाड़ी का पहिया कीचड़ में फँस गया था। 3. 'भाग्य' ईश्वर के हाथ में हैं तो हमारे हाथ में पुरुषार्थ करना है। **(क)** 1. ईश्वर पुरुषार्थी व्यक्ति की सहायता करता है। 2. बैलगाड़ी अनाज से भरी हुई थी। 3. हमें भाग्य पर भरोसा नहीं करके अपना कर्त्तव्य करना चाहिए। 4. बैलगाड़ी का पहिया मार्ग में एक गड्ढे के कीचड़ में फँस गया था। 5. 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा है, ''हे, अर्जुन! तू कर्म करना मत छोड़। युद्ध करते-करते यदि तू मर गया तो स्वर्ग में जाएगा और यदि जीत गया तो राज्य का सुख भोगेगा।'' **हॉट प्रश्न –** 1. शक्ति के देवता ने किसान से कहा, ''पहिए को गड्ढ़े से निकालने के लिए पुरुषार्थ करो। भाग्य को कोसने से क्या बनेगा?'' 2. किसान इसलिए प्रसन्न हुआ क्योंकि जोर लगाने से गाड़ी का पहिया गड्ढ़े से बाहर आ गया था। 3. कहानी का मूलमंत्र है, ईश्वर उसी की सहायता करता है जो पुरुषार्थ करता है। **(ख)** 1. स 2. स 3. अ **(ग)** 1. पुरुषार्थ 2. प्यार 3. सिर 4. मार्ग 5. सहायता। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 11 जब साधु राजा बना

मौखिक अभ्यास – 1. राजा की मृत्यु के बाद परिवार जन लड़ने-झगड़ने लगे। 2. साधु के शहर में प्रवेश करते ही हथिनी ने झट सूँड़ से उठाकर बाबाजी को अपने ऊपर चढ़ा लिया। 3. राजा बने साधु ने राज्य के कार्य को भगवान का काम समझकर अच्छे तरीके से सँभाल लिया। **(क)** 1. साधु ने बक्से में अपने पहले के कपड़े, तूँबी, खडाऊँ आदि रखकर ताला लगा दिया। 2. रात हो जाने पर साधु शहर के दरवाजे के बाहर सो गया। 3. पड़ोसी राजा ने राज्य की समृद्धि देखकर आक्रमण कर दिया। 4. बाबाजी के राज्य में खजाना भर गया और प्रजा सुखी हो गयी। 5. हमें अपनी सत्यता कभी नहीं भूलनी चाहिए और लगनपूर्वक अपना कार्य करते रहना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1.

राज्य के दरबारियों ने बाबाजी से कहा कि 'महाराज' हमने यह विचार कर लिया था कि शहर में जो सबसे पहले आएगा उसी को राज्य दे देंगे। 2. बाबाजी के अच्छे तरीके से राज्य कार्य करने का परिणाम यह हुआ कि राज्य की बहुत उन्नति हुई। खजाना भर गया और प्रजा सुखी हो गई। 3. साधु की बात सुनकर आक्रमणकारी राजा साधु के पैरों में गिर पड़ा और वापस लौट गया। **(ख)** 1. स 2. ब 3. स **(ग)** 1. ईश्वर 2. हथिनी 3. कामना 4. तूँबी 5. राज्य। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 12 जीवन के उपयोगी सिद्धांत

मौखिक अभ्यास – 1. हमें प्रतिदिन सूर्य निकलने से पहले सोकर उठना चाहिए। 2. हमें ईश्वर से दिनभर अच्छे कार्य करने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। 3. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करिए और थोड़ा आराम करके स्नान करिए। **(क)** 1. बड़ों से बातचीत करते समय 'जी' 'आप' और 'श्रीमान' जैसे आदरसूचक शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। 2. चोरी करना पाप है। 3. अच्छे व्यक्तियों की संगत में बैठना चाहिए। 4. दीन-दुःखियों की सेवा ईश्वर की सेवा है। 5. सबसे मीठा बोलना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. क्योंकि क्रोध हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। 2. हमें समय का आदर करना चाहिए क्योंकि समय बड़ा मुल्यवान है। 3. हमें अपनी आमदनी का कुछ नियमित हिस्सा दान में देना चाहिए क्योंकि प्रसन्नता से दिया गया दान दुगनी शान बढ़ाता है।

कक्षा - 7

अध्याय- 1 सबको सन्मति दे भगवान

मौखिक अभ्यास – 1. पूर्व समय में मानव आदिमानव था जो वनों में रहता था। 2. बड़े-बड़े जीवों को चिड़ियाघर में कैद आज मानव ने किया। 3. बहुत से जीव-जन्तुओं से स्वामीभक्त नौकरों की तरह आज का मानव काम लेता है। **(क)** 1. लंका के राजा रावण ने सीता का अपहरण किया था। 2. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ईश्वर से सन्मति (अच्छी बुद्धि) देने की प्रार्थना करते थे- ईश्वर, अल्लाह तेरे नाम। सबको, सन्मति दे भगवान॥ 3. राजा सोलोमन ने ईश्वर से सद्बुद्धि का वरदान माँगा ताकि प्रजा को प्रसन्न और सुखी रख सके। 4. आदि मानव के पास 'बुद्धि' थी, जो अन्य जीव-जन्तुओं के पास नहीं थी। 5. सोलोमन एक दयालु राजा था। **हॉट प्रश्न –** 1. मानव को ईश्वर ने अनोखी वस्तु बुद्धि दी है। 2. आदिमानव ने वन्य जीव-जन्तुओं से अपनी रक्षा बुद्धि के बल पर की। 3. ऋषि मुनि ईश्वर से मंत्रों द्वारा सद्बुद्धि की प्रार्थना करते थे। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. स **(ग)** 1. दाँत 2. स्वामी 3. युद्ध 4. ईश्वर 5. बुद्धि। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)। **(घ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (स)।

अध्याय- 2 दृढ़ संकल्प

मौखिक अभ्यास – 1. दृढ़ संकल्प कर वकीलों की भाँति बोलने वाला व्यक्ति अब्राहम लिंकन था। 2. सायंकाल के समय राजा शान्तनु यमुना तट पर घूम रहा था। 3. देवव्रत ने युवती के पिता को कहा कि आप अपनी पुत्री को रानी बनने दें, मैं अपना राजा बनने का अधिकार छोड़ता हूँ। **(क)** 1. अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति थे। 2. राजा शान्तनु ने युवती को यमुना नदी के तट पर देखा। 3. देवव्रत ने विवाह नहीं करने तथा राज्य का अधिकारी नहीं बनने का दृढ़ संकल्प लिया। 4. देवव्रत राजा शान्तनु के पुत्र थे। 5. युवती के पिता ने राजा से 'उसकी पुत्री का पुत्र ही राजगद्दी का उत्तराधिकारी होने' की शर्त रखी। **हॉट प्रश्न –** 1. युवती के पिता ने देवव्रत के सामने संदेह व्यक्त किया किया कि मान लो, तुम्हारा कोई वीर पुत्र हो, वह बाद में राज्य छीन ले, तो फिर क्या होगा। 2. अब्राहम लिंकन के प्रभावशाली भाषण के कारण उन्हें राष्ट्रपति चुना गया। 3. दृढ़संकल्प का आशय 'प्रतिज्ञा' है। जिसे हम किसी काम के करने या न करने के लिए लेते है। **(ख)** 1. स 2. स 3. अ **(ग)** 1. देवव्रत 2. पहाड़ी 3. युवती 4. विवाह 5. राजगद्दी। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 3 बेमेल मित्रता

मौखिक अभ्यास – 1. मेंढ़क तालाब में रहता था। 2. मेंढ़क ने चूहे से कहा, ''आओ हम दोस्त बन जाएँ, कालू भाई।'' 3. चूहे और मेंढ़क ने अपनी-अपनी कमर में रस्सी का टुकड़ा इसलिए बाँधा जिससे वह एक-दुसरे से कभी बिछुड़ न पाएँ। **(क)** 1. मेंढक को गाने का शौक था। 2. मेंढक चूहे को तालाब के उस पार ले जा रहा था। 3. रस्सी का टुकड़ा चूहा लाया। 4. तालाब की मुख्य धारा में पहुँचते ही चूहे और मेंढक दोनों डूबने लगे। इतने में ही एक चील ने उन पर झपट्टा मारा और चील ने चूहे और मेंढक को खा लिया। 5. मित्रता सदैव बराबर स्थिति के साथियों से ही करनी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. रस्सी से बंधे रहने से दोनों को ही परेशानी का अनुभव हो रहा था, क्योंकि मेंढ़क पानी में रहने का आदी था लेकिन चूहा पानी में नहीं रह पाता था। मेंढ़क धीरे-धीरे उछलकर चलता था परन्तु चूहे को तेज दौड़ने की आदत थी। 2. क्योंकि तालाब के उस पार फसल भरे खेत थे। चूहा वहाँ जाकर फसल खाना चाहता था। 3. इस बेमेल मित्रता का परिणाम ये रहा कि दोनों ही मित्रों को अपनी जान गँवानी पड़ी क्योंकि दोनों को ही चील खा गई। **(ख)** 1. ब 2. स 3. स **(ग)** 1. तालाब 2. झपट्टा 3. दौड़ने 4. फसल 5. चील। **(घ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (स)। **(ङ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 4 मित्र हो तो ऐसा हो

मौखिक अभ्यास – 1. लगभग पाँच हजार वर्ष पहले भादों के महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। 2. कंस बड़ा अत्याचारी राजा था। 3. सुदामा अपना भरण-पोषण भिक्षा माँगकर करते थे। **(क)** 1. श्रीकृष्ण का पालन-पोषण गोकुल में वसुदेव के मित्र नंदजी व उनकी पत्नी यशोदा ने किया। 2. श्रीकृष्ण के परम मित्र सुदामा नाम का एक ब्राह्मण-पुत्र था। 3. सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण के लिये मुट्ठी भर चावल कपड़े की पोटली में बाँध कर भेंट के लिये लेकर गये। 4. श्रीकृष्ण ने संदीपन मुनि के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की। 5. हमें अपने मित्र की हर संभव मदद करनी चाहिए। जो सुख-दुःख में साथी होता है, वही सच्चा मित्र होता है। **हॉट प्रश्न –** 1. कृष्ण बाल्यावस्था से ही बड़े पराक्रमी और साहसी थे। 2. बड़े होकर श्रीकृष्ण ने कंस व अन्य निरकुंश शासकों का संहार किया। 3. अपने गाँव लौटकर सुदामा ने देखा कि अपनी झोंपड़ी के स्थान पर एक महल बन गया व उनकी पत्नी सुन्दर गहने व वस्त्र पहने हुई थी। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. ब **(ग)** 1. भादों 2. सुदामा 3. कंस 4. चरण 5. अमर। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 5 दया

मौखिक अभ्यास – 1. बालक को कैद किसी अपराध की वजह से

हुई। 2. झोपड़ी में एक अत्यन्त गरीब परिवार रहता था। 3. लड़के के हठ के कारण किसान को उसकी बात माननी पड़ी कि तुम मुझे पकड़कर पुलिस को सौंप दो तो तुम्हें पचास रुपये इनाम मिल जाएँगे। **(क)** 1. हाकिम ने गवाह के रूप में किसान को बुलाया। 2. किसान समीप के गाँव में एक झोंपड़ी में रहता था। 3. किसान को लगान के चालीस रुपये देने थे। 4. सारी घटना सुनकर हाकिम को बालक की दयालुता पर बड़ी प्रसन्नता हुई। बालक के मामूली अपराध का पता चलने पर हाकिम की सिफारिश पर सरकार ने बालक को छोड़ दिया। 5. बालक अवसर पाकर जेल से भाग निकला। **हॉट प्रश्न –** 1. बालक ने किसान से खाने के लिए माँगा। 2. किसान की असमर्थता सुनकर बालक अपनी भूख भूल गया। 3. किसान के सच-सच कहने पर वहाँ इकट्ठे लोगों ने किसान को पचास रुपये और दिए। हाकिम की सिफारिश पर सरकार ने बालक को छोड़ दिया। **(ख)** 1. ब 2. ब 3. स **(ग)** 1. दयालु 2. सरकार 3. बालक, भूख 4. किसान 5. भूख। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 6 सर्व धर्म उपदेश

मौखिक अभ्यास – 1. हिन्दू मंदिरों में यज्ञ, हवन तथा पूजा करते है। 2. मुसलमानों के धार्मिक ग्रन्थ का नाम 'कुरान' है। 3. सिक्खों के धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ 'गुरु ग्रन्थ साहब' में है। **(क)** 1. हिन्दूओं के धार्मिक ग्रन्थ- वेद, उपनिषद, गीता और रामायण हैं। इनकी प्रमुख शिक्षाएँ इस प्रकार हैं - (i) हे प्रभु! हमें श्रेष्ठ मार्ग पर चलाओ। (ii) हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। (iii) हमें सद्‌बुद्धि प्रदान करें। (iv) हमें दुर्गुणों से बचाएँ। (v) हे प्रभु! हमें रोग से बचाएँ। (vi) हे प्रभु! हम सारे संसार को श्रेष्ठ बनाने में जीवन लगाएँ। 2. भारत में हिन्दु, इस्लाम, सिक्ख, ईसाई, जैन व बौद्ध, पारसी धर्मों के लोग रहते हैं। 3. भारत धर्म-निरपेक्ष देश है। 4. विभिन्न धर्मों की शिक्षाएँ एक जैसी हैं। सभी धर्म सर्व-शक्तिमान ईश्वर की पूजा करते हैं। सभी धर्म लड़ाई-झगड़े को बुरा समझते हैं। हमें सभी धर्मों से अच्छे कर्म करने की शिक्षा मिलती है। 5. हिन्दू पूजा करने मन्दिर जाते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. सिक्ख गुरुद्‌वारों में गुरुवाणी का पाठ तथा सवद कीर्तन करते हैं। 2. ईसाइयों के भगवान को 'ईसा मसीह' के नाम से पुकारते है। 3. सभी धर्म लड़ाई-झगड़े को बुरा मानते है। **(ख)** 1. द 2. अ 3. ब **(ग)** 1. मस्जिद 2. धर्म-निरपेक्ष 3. प्रार्थना 4. ईश्वर 5. कर्म। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)। **(ङ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (स)।

अध्याय- 7 कर भला तो हो भला

मौखिक अभ्यास – 1. परम पिता परमेश्वर एक महान न्यायाधीश है। 2. मधुमक्खी के प्राण खतरे में देखकर फाख्ता ने एक चौड़ा पत्ता अपनी चोंच में लेकर मधुमक्खी के निकल डाल दिया। मधुमक्खी उस पर चढ़ गई और उसके प्राण बच गये। 3. क्योंकि फाख्ता वृक्ष की टहनी पर बैठी थी, दूसरी ओर शिकारी की बंदूक का निशाना फाख्ता पर था। **(क)** 1. फाख्ता नदी के पास के वृक्ष पर बैठी थी। 2. मधुमक्खी नदी में गिर गई थी। 3. मधुमक्खी नदी के पानी में बहने लगी, तो फाख्ता ने एक चौड़ा पत्ता अपनी चोंच में लेकर बहती हुई मधुमक्खी के निकट डाल दिया। मधुमक्खी पत्ते पर चढ़ गई और पंख सूखने पर उड़ गई। 4. शिकारी के हाथ पर मधुमक्खी ने डंक मारा 5. ईश्वर हमारे कर्मों के अनुसार फल देता है। ईश्वर अच्छे कार्य करने वाले को सुख तथा बुरे कार्य करने वाले को दु:ख देता है। **हॉट प्रश्न –** 1. सर्वशक्तिमान ईश्वर हमारे कर्मो की जाँच हमारे कर्मो के आधार पर करता है। 2. मधुमक्खी ने प्राण बचने पर निश्चय किया कि समय आने पर इस भलाई का बदला अवश्य चुकाऊँगी। 3. शिकारी का निशाना इसलिए चूका क्योंकि मधुमक्खी ने उसके हाथ पर डंक मार दिया था। **(ख)** 1. द 2. अ 3. ब **(ग)** 1. अच्छे 2. मधुमक्खी 3. निशाना 4. पत्ते 5. फाख्ता। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

अध्याय- 8 बोला तो मरा

मौखिक अभ्यास – 1. सन्त ने राजा से कहा कि तुम्हारे प्रारब्ध में संतान नहीं लिखी है। 2. संत के शिष्य को राजा ने बताया कि मैं संतान की कामना से आया था पर काम हुआ नहीं। 3. शिष्य को अपने वचन के कारण राजा के घर पुत्र बनकर जन्म लेना पड़ेगा। **(क)** 1. राजा सन्तान प्राप्ति के लिए सन्त के पास गया। 2. राजा को रास्ते में सन्त का शिष्य मिल गया। 3. राजा के आदमी राजकुमार को घुमाने के लिये वन में ले गये। 4. शिकारी पक्षी की खोज कर रहा था। 5. हमें बिना सोचे-समझे कभी नहीं बोलना चाहिए अन्यथा बुरा परिणाम हो सकता है। **हॉट प्रश्न –** 1. सन्त ने राजा से कहा कि तुम्हारे प्रारब्ध में संतान नहीं लिखी है। 2. राजा का पुत्र सब शुभ लक्षणों से संपन्न था परन्तु बोलता नहीं था। 3. राजा के आश्चर्य चकित होने पर राजकुमार बने साधु ने कहा, महाराज! मैं वही साधु हूँ, जिसने आपको संतान होने का आर्शीवाद दिया था। आपके प्रारब्ध में संतान नहीं थी, पर मैंने वचन दे दिया। इसलिए मुझे आपके घर जन्म लेना पड़ा अगर मैं नहीं बोलता तो दुबारा जन्म न लेना पड़ता। **(ख)** 1. ब 2. स 3. अ **(ग)** 1. सन्त 2. उदास 3. बोलता 4. प्रारब्ध 5. मरा। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)। **(ङ)** 1. (ब) 2. (द) 3. (अ) 4. (स)।

अध्याय- 9 गुरु भक्त एकलव्य

मौखिक अभ्यास – 1. एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य को अपना परिचय दिया – ''गुरुजी मैं निषादराज हिरण्यधनु का पुत्र एकलव्य हूँ। 2. द्रोणाचार्य ने एकलव्य से कहा – ''वत्स एकलव्य! मैं हस्तिनापुर के राजकुमारों को धनुर्विद्या सिखाता हूँ। मैं तुम्हें धनेर्विद्या नहीं सिखा सकता। 3. गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति के सामने एकलव्य अभ्यास कर रहा था। **(क)** 1. एकलव्य निषादराज हिरण्यधनु का पुत्र था। 2. एकलव्य गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति बनाकर उनका ध्यान कर बाण चलाने का अभ्यास करने लगा। निरन्तर अभ्यास करते रहने के कारण एकलव्य धनुर्विद्या में निपुण हो गया। 3. एकलव्य ने गुरुदक्षिणा में अपने दाहिने हाथ का अँगूठा काटकर गुरु द्रोणाचार्य के चरणों में रख दिया। 4. गुरु द्रोणाचार्य हस्तिनापुर के राजकुमारों अर्थात् कौरव तथा पाण्डवों को धनुर्विद्या सिखाते थे। 5. हमें सफलता प्राप्त करने के लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं निरन्तर अभ्यास करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. एकलव्य द्रोणाचार्य को गुरु मान चुका था। 2. अपने अभ्यास में विघ्न देखकर एकलव्य ने कुत्ते का मुँह बाणों से भर दिया। 3. कुत्ते को देखकर सभी को यह आश्चर्य हुआ कि बाण कुत्ते के मुँह में इस प्रकार घुसे हुए थे कि कुत्ते को चोट भी नहीं लगी और उसका भौंकना भी बंद हो गया। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. स **(ग)** 1. एकलव्य 2. द्रोणाचार्य 3. दाहिने 4. गुरुभक्ति 5. सफलता। **(घ)** 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)। **(ङ)** 1. (द) 2. (अ) 3. (ब) 4. (स)।

अध्याय- 10 आत्म-संयम

मौखिक अभ्यास – 1. जिस पुरुष की इन्द्रियाँ वश में हो तो उसकी बुद्धि भी स्थिर होती है। 2. बड़ा योद्धा वही है, जो अपने आप को जीत ले। 3. युसुफ हुसैन को संत के पास रहते हुए चार वर्ष बीत गए। **(क)** 1. बक्से में एक चूहा था। 2. धर्म की दीक्षा के लिए आत्म-संयम की आवश्यकता होती है। 3. यूसूफ खाली बक्सा लेकर संत जुन्नून के मित्र के पास गये। 4. यूसूफ सन्त जुन्नून के पास धर्म की दीक्षा लेने के लिए गये। 5. चार वर्ष बाद जुन्नून ने यूसूफ से आने का कारण पूछा। **हॉट प्रश्न –** 1. सन्त के पूछने पर युसुफ ने वहाँ आने का कारण धर्म की दीक्षा प्राप्त करना बताया। 2. बक्सा ले जाते समय युसुफ बक्से को खोलने की उधेड़बुन में था। 3. लौटने पर संत ने युसुफ से कहा, ''युसुफ तुम अभी धर्म की दीक्षा प्राप्त करने योग्य नहीं हुए हो। तुम्हारा चिंतन बड़ा चंचल है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. ब **(ग)** 1. सन्त 2. दीक्षा 3. चूहा 4. दु:खी 5. ध्येय। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)। **(ङ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (स)।

अध्याय- 11 बस यात्रा के नियम

मौखिक अभ्यास – 1. बस यात्रा के नियम इसलिए बने है ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। 2. बस में चढ़ते समय भीड़ होने पर हमें पंक्ति बनाकर बस में चढ़ना चाहिए और उतरना चाहिए। 3. उन लड़को को सभी अच्छा कहते हैं, जो किसी बुजुर्ग या महिला को खड़ा देखकर अपनी सीट उन्हें दे दें और खुद खड़े हो जाएँ। **(क)** 1. बस में बिना टिकट यात्रा करने पर जुर्माना देना पड़ता है। 2. बस में चढ़ने के लिए और उतरने के लिए बस-स्टैण्ड बने होते हैं। 3. बस में से अपने हाथ या सिर को खिड़की से बाहर नहीं निकालना चाहिए, इससे दुर्घटना हो सकती है। 4. यदि बस में महिला खड़ी हो, तो हम अपनी सीट उन्हें देकर खुद खड़े हो जाएँगे। 5. बस यात्रा के नियम- (i) बस में पंक्ति बनाकर ही चढ़ना व उतरना चाहिए। (ii) बस में खिड़की के पास बैठने पर शरीर का कोई भी अंग बाहर नहीं निकालना चाहिए। (iii) बस में टिकट खरीदकर ही यात्रा करनी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. बस में यात्रा करने का दूसरा नियम बस में बैठने का है। महिलाओं के लिए लिखी हुई सीट पर किसी अन्य को नहीं बैठना चाहिए। 2. यदि कोई अपनी सीट पर बिठाए तो उसे धन्यवाद अवश्य कहना चाहिए। 3. बस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण नियम है – टिकट खरीदना। क्योंकि बिना टिकट यात्रा करना कानूनी अपराध है। **(ख)** 1. स 2. ब 3. स **(ग)** 1. गाना 2. खाली 3. खड़ा 4. उतरना 5. सज्जन। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)। **(ङ)** 1. (स) 2. (द) 3. (ब) 4. (अ)।

अध्याय- 12 अनुशासन का महत्त्व

मौखिक अभ्यास – 1. संयमित जीवन के लिए अनुशासन का पालन करना आवश्यक है। 2. देश का भविष्य आज के विद्यार्थियों की अनुशासन प्रियता पर निर्भर करता है क्योंकि आज के विद्यार्थी ही कल के कर्णधार होंगे। 3. अमेरिकी लेखक गाँधीजी से टहलने के समय मिलने आया। **(क)** 1. अनुशासन का शाब्दिक अर्थ है- शासन का अनुगमन अर्थात् नियमों का ठीक प्रकार से पालन करना तथा संयम से रहना है। 2. अनुशासन का जीवन में महत्त्व- (i) संयमित जीवन के लिए अनुशासन का पालन करना आवश्यक है। (ii) विद्यार्थियों को भविष्य-निर्माण के लिए अनुशासित होना जरूरी है। (iii) अनुशासन के बिना जीवन में सफलता संभव नहीं है। (iv) अनुशासन से ही चरित्र का निर्माण व विकास होता है। (v) जीवन की सफलता और मानसिक शान्ति का आधार भी अनुशासन ही है। (vi) अनुशासन ही मनुष्य में दया, क्षमा, श्रद्धा, परोपकार आदि मानवीय गुणों का विकास करता है। (vii) अनुशासन से व्यक्ति महान् बन सकता है। (viii) अनुशासन से मनुष्य जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना कर सकता है। (ix) अनुशासनहीनता मनुष्य को पतन के गर्त में ले जाती है। (x) अनुशासन के बल पर मनुष्य जीवन में उन्नति प्राप्त कर सकता है। 3. फ्रांस का महान् सम्राट 'नेपोलियन बोनापार्ट' कहलाये। 4. अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। 5. एक बार एक अमेरिकन लेखक गाँधीजी से मिलने के लिए आया। उस समय गाँधीजी के टहलने का समय था। गाँधीजी ने कहा, ''श्रीमान् जी, अगर आप कोई बात करना चाहते हैं, तो मेरे साथ टहलने चलें, क्योंकि मेरा टहलने का समय हो गया है।'' इससे हमें गाँधीजी के अनुशासन प्रिय होने का पता चलता है। **हॉट प्रश्न –** 1. चरित्र का निर्माण और विकास अनुशासन से ही संभव है क्योंकि जीवन की हर सफलता और मानसिक शांति का आधार भी अनुशासन ही है। 2. अनुशासनहीनता मनुष्य को पतन के गर्त में ले जाती है और जीवन में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। 3. 'दि लाइफ बिग्रेड' की कहानी अनुशासन की महत्ता को सर्वोपरि स्थान प्रदान करती है। **(ख)** 1. ब 2. स 3. स **(ग)** 1. अनुशासन 2. मानवीय 3. कर्णधार 4. अमेरिकन 5. मनुष्य। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

कक्षा - 8

अध्याय- 2 शरणागत की रक्षा

मौखिक प्रश्न – 1. राजा शिवि एक दयालु और धर्मात्मा राजा थे। 2. अग्निदेव ने कबूतर का रुप धारण किया। 3. बाज के रुप में देवराज इंद्र थे। **(क)** 1. राजा शिवि के राज्य में प्रजा हर तरह से सुखी थी। 2. देवराज इन्द्र और अग्निदेव ने राजा शिवि की परीक्षा ली। 3. बाज ने राजा से कहा, ''महाराज, यह कबूतर मेरा शिकार है, आप इसे छोड़ दीजिए। मैं इसे खाऊँगा। भूख से मेरी जान निकली जा रही है। आप तो न्यायी हैं। आपको किसी का शिकार नहीं छीनना चाहिए।'' 4. क्योंकि तराजू का कबूतर वाला पलड़ा भारी था, इसलिये राजा शिवि तराजू के दूसरे पलड़े में स्वयं बैठ गए। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि दीन दु:खियों की सेवा करना मानव का परम् धर्म है। अत: हमें सभी की सहायता करने का प्रयत्न करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा शिवि ने तराजू में पहले एक जाँघ का फिर दूसरी जाँघ का माँस रख दिया परन्तु कबूतर वाला पलड़ा ही भारी रहा। अंत में राजा स्वयं तराजू में बैठ गए। इस बार उनका पलड़ा भारी होकर जमीन पर टिक गया। इस प्रकार अग्निदेव रूपी कबूतर तथा इंद्रदेव रूपी बाज ने राजा शिवि की परीक्षा ली। 2. राजा शिवि ने कहा, प्रजा के सभी लोग मेरे पुत्र समान है। मैं दूसरे प्राणी को नहीं मारूँगा। मैं तुम्हें कबूतर के बदले अपने शरीर का माँस दुँगा। **(ख)** 1. ब 2. स 3. स **(ग)** 1. कबूतर 2. शरणागत 3. पुत्र 4. बाज 5. गोद। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 3 खजाना

मौखिक अभ्यास – 1. किसान ने अपने बेटों को खजाने का लालच दिया। 2. किसान के तीन बेटे थे। 3. हाँ, किसान के बेटो को परिश्रम

का महत्व समझ में आया। **(क)** 1. किसान के बेटे जवान और स्वस्थ थे, लेकिन वे आलसी थे। पिता की कमाई उड़ाने में उन्हें आनन्द आता था। मेहनत करके पैसा कमाना उन्हें अच्छा नहीं लगता था। 2. किसान ने अपने बेटों को बुलाकर कहा, ''तुम लोगों के लिए मैंने अपने खेत में एक खजाना छिपा रखा है। तुम लोग खेत को खोदकर उस खजाने को निकालकर आपस में बाँट लो।'' 3. किसान और उसके तीनों बेटों ने मिलकर बहुत लगन से खेत की बुवाई की। 4. किसान के तीन बेटे थे। 5. किसान अपने बेटों को परिश्रम का खजाना सौंपना चाहता था। **हॉट प्रश्न –** 1. किसान ने अपने बेटों को परिश्रम का महत्व खजाने का लालच देकर समझाया, जिसमें उसके पुत्रों ने खजाने के लालच में पूरा खेत खोद डाला। किसान और उसके पुत्रों ने खेत की बुवाई कर दी। इससे फसल बहुत अच्छी हुई। 2. किसान ने लहलहाती फसल को देखकर कहा, 'वाह क्या खूब फसल हुई है। यही हैं वह खजाना जिसे मैं तुम लोगों को सौंपना चाहता था।' 3. किसान के बेटो ने खजाना अपने परिश्रम से फसल उगाकर प्राप्त किया। **(ख)** 1. स 2. ब 3. अ **(ग)** 1. तीन 2. मीठा 3. कुंजी 4. पैदावार 5. शोभा। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)। **(ङ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (द) 4. (स)।

अध्याय- 4 दधीचि का त्याग

मौखिक अभ्यास – 1. अपने शरीर का त्याग करके दधीचि ने हड्डियाँ दान की थी। 2. राक्षस का नाम वृत्रासुर था। 3. ऋषि दधिचि के पास देवराज इन्द्र गए थे। **(क)** 1. दूसरों के हित के लिए अपनी प्रत्येक वस्तु को छोड़ देना 'त्याग' कहलाता है। 2. ब्रह्माजी ने देवताओं से कहा, ''वृत्रासुर के वध का केवल एक ही उपाय है। मृत्युलोक में नैमिषारण्य नामक स्थान पर महात्मा दधीचि तपस्या कर रहे हैं। यदि वे अपनी हड्डियाँ दे दें और उनसे वज्र बनाया जाए तो उसी वज्र से वृत्रासुर का वध किया जा सकता है।'' 3. वृत्रासुर राक्षसों का राजा था। वह शिवजी का परम् भक्त था। 4. महात्मा दधीचि के शरीर की हड्डियों से वज्र बनाया गया। 5. हजारों वर्ष पूर्व हमारे देश में दधीचि नामक महात्मा हुए थे। उसी समय राक्षसों का राजा वृत्रासुर, जो कि बड़ा वीर और शक्तिशाली था, ने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया। वृत्रासुर के अत्याचारों से परेशान देवराज इन्द्र सहित सभी देवताओं ने ब्रह्माजी से राक्षसों से मुक्ति पाने का उपाय पूछा। ब्रह्माजी के परामर्श से सभी देवतागण महात्मा दधीचि के पास पहुँचे और अपनी हड्डियाँ देने की प्रार्थना की। दधीचि ने हर्ष के साथ अपने शरीर का त्याग कर हड्डियाँ इन्द्र को दे दी, इनसे वज्र बनाकर उन्होंने वृत्रासुर का वध कर दिया। **हॉट प्रश्न** – 1. राजा इन्द्र ने दधीचि से प्रार्थना की और अपने आगमन का उद्देश्य बताया। 2. ऋषि दधीचि ने सभी देवताओं के उपकार के लिए अपने नश्वर शरीर का त्याग कर दिया और अपनी हड्डियाँ इन्द्र को दे दी। 3. राक्षस वृत्रासुर का वध देवराज इन्द्र ने किया। **(ख)** 1. स 2. अ 3. ब **(ग)** 1. महापुरुष 2. मृत्युलोक 3. शिवजी 4. शरीर, हड्डियाँ 5. लोग। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 5 परीक्षा

मौखिक अभ्यास – 1. पांडव पाँच भाई थे – युधिष्ठर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव। 2. आकाश से भी ऊँचा पिता है। 3. अर्जुन ने क्रोधित होकर आवाज की दिशा में शब्दभेदी बाण छोड़े। **(क)** 1. सबसे पहले सहदेव पानी लेने गया। 2. सभी भाइयों को ''ठहर जाओ! पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो, फिर पानी पीना, अन्यथा तुम्हारी भी तुम्हारे भाइयों जैसी ही दशा होगी।'' आवाज सुनाई दी। 3. 'यक्ष' युधिष्ठिर के पिता 'धर्मराज' थे। 4. यक्ष ने प्रसन्न होकर युधिष्ठिर के सभी भाइयों को जीवित कर दिया। 5. युधिष्ठिर ने आवाज की ओर मुँह करके कहा, ''आप अपने असली रूप में प्रकट होकर प्रश्न पूछें। मैं उत्तर देने के लिए तैयार हूँ।'' **हॉट प्रश्न –** 1. धर्मराज युधिष्ठर ने अपने भाईयों के प्राण यक्ष का सही-सही उत्तर देकर बचाए। 2. विपत्ति के समय हमें सोच-समझकर बुद्धि तथा धैर्य से काम लेना चाहिए। **(ख)** 1. द 2. स 3. ब **(ग)** 1. पाण्डवों 2. सहदेव 3. आवाज 4. धर्मराज 5. धैर्य। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)। **(ङ)** 1. (द) 2. (स) 3. (ब) 4. (अ)।

अध्याय- 6 महात्मा गाँधी

मौखिक अभ्यास – 1. गाँधी जी के पिता का नाम कर्मचन्द्र गाँधी था। 2. वकालात करने के लिए गाँधीजी विलायत चले गए। 3. गाँधी जी का विवाह कस्तूरबा गाँधी से हुआ। **(क)** 1. गाँधीजी का जन्म 2 अक्टूबर, सन् 1869 को काठियावाड़ के पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ। 2. गाँधीजी ने सन् 1920 ई. में असहयोग आन्दोलन शुरू किया। 3. गाँधीजी ने विदेश जाने से पूर्व अपनी माता के सामने प्रतिज्ञा की कि ''विदेश जाकर भी मैं मांस, मदिरा का सेवन नहीं करूँगा और अनाचार से दूर रहूँगा।'' 4. अहिंसा एक महान् व्रत व प्रतिज्ञा है, जिस पर जीवन-भर चलने के लिए त्याग और आत्म-विश्वास आवश्यक है। अहिंसा में प्रेम की पराकाष्ठा और सभी लोगों का हित छिपा हुआ है। 5. गाँधीजी के मुख्य उपदेश- (i) श्रद्धा और प्रार्थना के अभाव में किया गया कार्य बिना सुगन्ध के फूल की तरह होता है। (ii) मेहनत करने वाला ही जमीन का मालिक होता है। (iii) मौन में ही सर्व अर्थ-सिद्धि है। **हॉट प्रश्न –** 1. गाँधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में हुए भारतीयों के साथ अमानुषिक व्यवहार के विषय में यहाँ की जनता को अवगत कराया। 6 महीने बाद 800 भारतीयों के साथ ये फिर अफ्रीका गए। 2. भारत में गाँधीजी ने भारत छोड़ो आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन आदि चलाये थे। **(ख)** 1. स 2. अ 3. ब **(ग)** 1. मौन 2. गाँवों 3. महान 4. कुली 5. प्रार्थना-सभा। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)।

अध्याय- 7 मातृ-भक्त अली

मौखिक अभ्यास – 1. मुसलमानों के दो पवित्र तीर्थ-स्थल मक्का और मदीना है। 2. अली अपनी माँ के लिए रातभर पानी का गिलास लेकर खड़ा रहा। 3. मक्का में ही पवित्र तीर्थ काबा है। **(क)** 1. अली ने नींद में एक सपना देखा। सपना बड़ा मीठा था। 2. उसे अपने प्यारे बेटे पर बड़ा गर्व था। सुबह होने पर अली को पानी का गिलास लिए अपने पास खड़े देखकर और सारा किस्सा सुनकर उसकी माँ रो पड़ी और अली को छाती से लगा लिया। 3. मौलवी साहब कहते थे कि माँ का स्थान काबा से भी ऊँचा है। जिस जमीन पर माँ के पैर हैं, वहीं काबा है।'' 4. मातृ-भक्ति से बालक महान् बनता है। 5. अली को ख्याल आया, ''कहीं माँ ने जागकर दुबारा पानी माँग लिया। उस वक्त पानी न मिला तो माँ को बड़ी तकलीफ होगी।'' यह सोचकर वह गिलास लिए खड़ा रहा। **हॉट प्रश्न –** 1. मौलवी साहब ने माँ के बारे में कहा था कि माँ का स्थान काबा से भी ऊँचा है। जिस जमीन पर माँ के पैर है, वहीं काबा है। 2. अली ने अपनी माँ से कहा, ''माँ तुमने मेरे लिए कितनी तकलीफ उठाई होगी। मुझे कठिनाइयों से पाल-पोस कर बड़ा किया होगा। मैं कैसे जाकर

सो सकता था। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. स **(ग)** 1. महान् 2. पवित्र 3. सपना 4. गले 5. गिलास। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)। **(घ)** 1. (ब) 2. (अ) 3. (स)।

अध्याय- 8 गुरुभक्त संदीपन

मौखिक अभ्यास – 1. श्रीकृष्ण जी के गुरु जी का नाम गुरु संदीपन था। 2. संदीपन ने बालक को गुरुजी के कहने पर कुएँ में डाला। 3. संदीपन की बार-बार परीक्षा उनके गुरु ले रहे थे। **(क)** 1. श्रीकृष्ण ने संदीपन ऋषि के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की। 2. संदीपन की परीक्षा उनके गुरुजी ने ली। 3. गुरुजी की झोंपड़ी संदीपन ने जलाई। 4. संदीपन ने गुरुजी के बालक को कुएँ में गिरा दिया। 5. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि गुरु की आज्ञा का पालन करना सर्वोपरि धर्म है। हमें सदैव अपने गुरुजनों की आज्ञा का तत्काल पालन करना चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. गुरुभक्ति ऐसी होनी चाहिए कि गुरु की आज्ञा को नीचे नहीं गिरने देना अर्थात उस पर विचार किए बिना ही तत्काल काम कर देना। 2. गुरुजी संदीपन की परीक्षा बार-बार ले रहे थे, कभी अपने बालक को कुएँ में डलवा कर, कभी झोपड़ी में आग लगवाकर। 3. गुरुजी ने प्रसादी के रुप में संदीपन को आर्शीवाद दिया कि त्रिलोकी नाथ तेरे शिष्य बनेंगे। **(ख)** 1. स 2. अ 3. स **(ग)** 1. मध्यम 2. गुरु 3. शिष्य 4. शक्ति 5. रोका। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)।

अध्याय- 9 चार आशीर्वाद

मौखिक अभ्यास – 1. साधु के पास चार आदमी आर्शीवाद लेने के लिए आते है। 2. साधु 'चिरंजीव रहो' का आर्शीवाद राजकुमार को देता है। 3. मनुष्य को अपना जीवन ऐसा बनाना चाहिए कि जीते भी सुख रहे और मरने पर भी सुख रहे। **(क)** 1. शिकारी जंगल में जा रहा था। 2. कुटिया के भीतर शिकारी, राजकुमार, तपस्वी और साधु गये। 3. बाबाजी ने राजकुमार को सदा जीते रहने का आशीर्वाद दिया। 'चिरंजीव रहो' का अर्थ है, 'लम्बे समय तक जीवित रहना'। 4. बाबाजी ने साधु का जीवन सबसे अच्छा बताया। साधु जीता रहेगा, तो भजन-स्मरण करेगा, दूसरों का उपकार करेगा और मर जाएगा तो भगवान के धाम में जाएगा। वह जीता रहे तो भी आनन्द है, मर जाए तो भी आनन्द है। 5. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि मनुष्य को गृहस्थ में रहते हुए भी साधु जैसा जीवन व्यतीत करना चाहिए। क्योंकि साधु पुरुष भगवान का भजन-स्मरण करते हैं और दूसरों की सेवा करते हैं, इससे जीवन भर आनन्द और मरने के बाद भी आनन्द प्राप्त होता है। **हॉट प्रश्न –** 1. साधु ने राजकुमार को 'चिरंजीव रहो' का आर्शीवाद दिया। तपस्वी से कहा – 'ऋषि पुत्र! तुम मत जीओ।' साधु से कहा – 'तुम चाहे जीओ, चाहे मरो, जैसी तुम्हारी मर्जी।' शिकारी से कहा – 'तुम न जीओ, न मरो।' 2. साधु का जीवन ऐसा है, यदि जीता रहेगा तो भजन-स्मरण करेगा और दूसरों का उपकार करेगा और मर जाएगा तो भगवान के धाम में जाएगा। वह जीता रहे तो भी आनन्द है, मर जाए तो भी आनन्द है। 3. राजा के बारे में साधु ने कहा – 'राजा को नरक में जाना पड़ता है। मनुष्य पहले तप करता है, तप के प्रभाव से राजा बनता है। और फिर मरकर नरक में जाता है। तपेश्वरी, राजेश्वरी, नरकेश्वरी। **(ख)** 1. ब 2. स 3. स **(ग)** 1. शिकारी 2. नरक 3. गृहस्थ, साधु 4. जीवों 5. आशीर्वाद। **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 10 अतिथि-सेवा

मौखिक अभ्यास – 1. रन्तिदेव को प्रजा देवता तुल्य मानती थी। 2. राजा को अड़तालीस दिनों तक भोजन नहीं मिला। 3. अतिथि धर्म का पालन करने पर राजा की समृद्धि के द्वार खुल गए। **(क)** 1. रन्तिदेव को संतोष था कि विपत्ति की घड़ी में भी वे अतिथि-धर्म का पालन कर सके। 2. राज्य में भयंकर अकाल पड़ने के कारण अन्न-पानी की कमी हो गई थी और चारों ओर विनाश का भय छा गया, इसलिये लोग राज्य छोड़कर अन्यत्र चले गये। 3. भिक्षुक ने जाते समय कहा, ''महाराज, प्राणीमात्र की सेवा से संकट में भी मुँह नहीं मोड़ना श्रेष्ठ पुरुषों का धर्म है। इस नीति का पालन करने वाले राजा के राज्य में अकाल! आश्चर्य है।'' 4. रन्तिदेव को भोजन से पूर्व किसी अतिथि को भोजन न करा पाने की पीड़ा सता रही थी। 5. याचक ने प्रसन्न होकर फलने-फूलने का आशीर्वाद दिया। **हॉट प्रश्न –** 1. राजा रन्तिदेव ने मिली हुई भोजन सामग्री में से अपना भाग दीन व्यक्ति को दे दिया। बची हुई भोजन सामग्री को परिवार में विभक्त कर रहे थे कि राजा ने भिक्षुक को फिर अपना हिस्सा दे दिया। शेष भोजन को भी रोग व भूख से पीड़ित व्यक्ति को दे दिया। स्वयं जल पीकर रह गए। 2. राजा को भोजन सामग्री को वितरित करने पर अतिथियों का आर्शीवाद प्राप्त हुआ। 3. भगवान की सेवा वास्तविक रुप में अतिथि सेवा ही होती है। **(ख)** 1. स 2. ब 3. द **(ख)** 1. प्रजा 2. अकाल 3. निर्जन 4. खीर 5. समृद्धि। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

अध्याय- 11 प्रदूषण

मौखिक अभ्यास – 1. प्रदूषण बढ़ने का मुख्य कारण जनसंख्या वृद्धि है। 2. ध्वनि प्रदूषण सार्वजनिक स्थानों पर सभा में लाउड स्पीकरों से, साइलेंसरहित मोटर साइकिलों और स्टीरियो आदि से होता है। 3. प्रदूषण कम करने के लिए कल-कारखानों को घनी बस्ती के बाहर लगाना चाहिए। **(क)** 1. पर्यावरण में उपस्थित तत्वों का अनुपात या संतुलन अनिश्चित व प्रदूषित होना प्रदूषण कहलाता है। 2. विकसित देशों में अन्न की उपज बढ़ाने के लिए कृत्रिम खादों, कीटनाशक दवाओं आदि का अत्यधिक मात्रा में उपयोग हो रहा है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों के कचरे से, मोटरगाड़ियों के धुएँ से और नाभिकीय ऊर्जा आदि से पर्यावरण-प्रदूषण बढ़ा है। 3. जनसंख्या बढ़ने से मृदा-प्रदूषण तथा जल एवं वायु प्रदूषण बढ़ रहे हैं। 4. गाँवों में स्वच्छता एवं गन्दे पानी की निकासी के अभाव में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। 5. शहरी क्षेत्रों में साइलेंसर हीन मोटरसाइकिल और स्टीरियों से शोर बढ़ रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर तथा उत्सवों के अवसर पर आतिशबाजी करने से भी शोर या ध्वनि की गति तीव्र हो रही है। **हॉट प्रश्न –** 1. पर्यावरण में उपस्थित तत्वों का अनुपात या संतुलन अनिश्चित व प्रदूषित होना प्रदूषण कहलाता है। प्रदूषण के प्रकार – 1. जल प्रदूषण 2. वायु प्रदूषण 3. ध्वनि प्रदूषण 4. जैव प्रदूषण। 2. अधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण अधिक अन्न उपजाना पड़ता है। इसके लिए अधिक मात्रा में कृत्रिम खादें व कीटनाशक दवाएँ उपयोग में लानी होती है। इनके उपयोग से मृदा प्रदूषित होती है तथा जल एवं वायु-प्रदूषण बढ़ता है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. स **(ग)** 1. कल-कारखानें 2. जनसंख्या 3. ध्वनि 4. निकासी 5. पर्यावरण। **(ग)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)।

अध्याय- 12 श्रम का महत्त्व

मौखिक अभ्यास – 1. समाज कर्मशील व्यक्तियों का सम्मान करता है। 2. लक्ष्मी सदैव उद्योगी पुरुष पर ही प्रसन्न रहती है। 3. मानव जीवन के उत्थान का प्रथम और अंतिम चरण कर्म है। **(क)** 1. श्रम का महत्त्व सर्वविदित है। परिश्रम को सफलता की कुंजी कहा गया है। मानव-जीवन कर्म-सौन्दर्य के बिना निष्फल है। उद्योगी पुरुष का ही सदैव लक्ष्मी वरण करती है तथा उद्योगी ही यश का भागी बनता है। परिश्रमी व्यक्ति में आत्मबल बढ़ता है। श्रम करते रहने से आलस्य नहीं होता है और व्यक्तित्व उभरता है। 2. उद्योगी पुरुष को ही सदैव लक्ष्मी वरण करती है। 3. मानव-जीवन में कर्म-उपासना के अनेक लाभ हैं, जैसे- (i) निरन्तर कर्मरत रहने से व्यक्ति कभी आलसी नहीं होता है। (ii) कर्मरत व्यक्ति का मन पवित्र हो जाता है क्योंकि उसके मस्तिष्क में कभी दूषित विचार नहीं आते। (iii) कर्मरत व्यक्ति में आत्म-बल बढ़ता है। (iv)कर्मरत रहने से व्यक्तित्व उभरता है व शरीर स्वस्थ रहता है। 4. कर्म की उपासना करते हुए सार्थक कर्म करने वाले एवं निःस्वार्थ समाज के कल्याण के लिए स्वयं को बलिदान करने वालों को संसार में याद किया जाता है। 5. कर्म करते रहने से आलस्य दूर हो जाता है। **हॉट प्रश्न –** 1. कर्मशील मनुष्य समाज के लिए अनुकरणीय सिद्ध होते है। 2. कर्म करके मनुष्य अपने जीवन को संवार सकता है क्योंकि कर्म करने से व्यक्ति अपने गन्तव्य तक पहुँच पाते है। यदि समय का मूल्यांकन कर कर्म करते रहे तो निश्चय ही सफलता मिलती है। 3. टाटा, बिड़ला, डालमिया जैसे पूँजीपति और विवेकानंद, स्वामी दयानंद जैसे न जाने कितने समाज और धर्म सुधारकों ने निःस्वार्थ समाज के कल्याण के लिए स्वयं को कर्मवेदी पर बलिदान कर दिया। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. स **(ग)** 1. सफलता 2. कर्म 3. उद्योगी 4. पाशविक 5. सोपान। **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)।

❑❑❑